संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 144
पृष्ठ 8
मंगलवार
11 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रोज सुबह पी लो ये जूस...

विचार- आम आदमी के बारे में सोचे सरकार

खेल- 32वां शतक जड़ने वाले रोहित शर्मा ने...

नंबर को लेकर तनाव नहीं लें छात्र और अभिभावक, बच्चों की अनूठी प्रतिभा को पहचानें : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दसवीं–बारहवीं के छात्रों छात्राओं, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को सोमवार को नसीहत दी कि वे नंबरों को लेकर तनाव नहीं लें और बच्चों की अनूठी प्रतिभा को पहचान कर उसे बढ़ाने में मदद करें। श्री मोदी ने यहां सुंदर नर्सरी में बच्चों के एक समूह के साथ परीक्षा पर चर्चा करते हुए उनके मनोबल को बढ़ाने के लिए प्रेरणादायी विचार साझा किये। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में दुर्भाग्य से ये घुस गया कि अगर हम स्कूल में इतने नंबर नहीं लाए, दसवीं–बारहवीं में इतने नंबर नहीं आए तो जिंदगी तबाह हो जाएगी। इसलिए पूरे घर में तनाव हो जाता है, ऐसे में आपको खुद को तैयार करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे में इस तनाव को मन में न लें और तय करें कि आपको आज कितना पढ़ना है... ये अगर आप कर लेते हैं, तो आप इस तनाव से खुद को निकाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि आप स्वच्छता के बारे में प्रचार कर रहे हैं लेकिन

गंदगी पैदा कर रहे हैं, तो आप लीडर नहीं हो सकते। एक लीडर बनने के लिए, समझ और धैर्य के साथ–साथ टीम वर्क महत्वपूर्ण है। आपको अपने साथियों के लिए वहां होना चाहिए, और यह विश्वास लाएगा। यह विश्वास आपके नेतृत्व को सुनिश्चित करेगा। श्री मोदी ने कहा, "आप, सम्मान मांग नहीं सकते, आपको सम्मान कमाना पड़ेगा। इसके लिए आपको खुद को बदलना होगा। लीडरशिप थोपी नहीं जाती, आपके आस–पास के लोग आपको स्वीकारते हैं। लीडर बनने के लिए टीमवर्क सीखना बहुत जरूरी है, धैर्य बहुत आवश्यक है।" उन्होंने कहा, "शिक्षा समग्र विकास के लिए है। छात्रों को दीवारों के भीतर सीमित नहीं होना चाहिए। विकास के लिए, उन्हें अपने जुनून का पता लगाने की स्वतंत्रता की आवश्यकता है। किसी को इस विचार के साथ नहीं रहना चाहिए कि परीक्षा सब कुछ है। हम रोबोट की तरह जी नहीं सकते, हम इंसान हैं। आखिरकार हम पढ़ाई क्यों करते हैं... आगे जाने के लिए। हम, हर स्तर पर अपने सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई करते हैं।" श्री मोदी ने कहा, "अपने दोस्तों की मदद करने के लिए, अच्छी चीजें खोजें और उनकी समस्याओं को समझने के लिए उन पर चर्चा करें। अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए लिखने की आदत विकसित की जानी चाहिए। एक शिक्षक का काम प्रत्येक छात्र की अनूठी प्रतिभा को खोजना और पोषित करना है। लोगों में अच्छा खोजना हर चीज में सकारात्मकता खोजने की आदत विकसित करने में मदद करेगा। समय प्रबंधन के लिए, दिन के लिए कार्यों को लिखें और ट्रैक करें कि कितने पूरे हो गए हैं। उन विषयों का अध्ययन करके शुरू करें जिन्हें आपको सबसे कठिन लगता है।" प्रधानमंत्री ने कहा, "बच्चों को आप (शिक्षक, अभिभावक) दीवारों में बंद करके एक प्रकार से किताबों का जेलखाना बना दें, तो बच्चे बढ़ नहीं सकते हैं। बच्चों को खुला आसमान चाहिए, उनको अपनी पसंद की चीजें चाहिए। अगर वो अपनी पसंद की चीजें अच्छे से करता है, तो पढ़ाई भी अच्छे से करेगा। जिंदगी में परीक्षा ही सब कुछ है, इस प्रकार के भाव से नहीं जीना चाहिए।" उन्होंने कहा कि सबसे अमूल्य टिप है– वर्तमान में जीयो। अगर वो पल चला गया तो अतीत हो जाएगा, लेकिन अगर उस पल को हमने जी लिया, तो वो जिंदगी का हिस्सा बन जाता है। चिंता से निपटने के लिए, अपनी भावनाओं को अपने प्रियजनों के साथ साझा करें। माता–पिता को अपने बच्चों की तुलना दूसरों से नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनके जुनून का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि प्रत्येक बच्चे में अद्वितीय प्रतिभा होती है। उनकी ताकत का पता लगाने में मदद करने के लिए कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि उच्च लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। माता–पिता को अपने बच्चे के सपनों को समझना चाहिए, उनकी ताकत की निगरानी करनी चाहिए, और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करनी चाहिए, क्योंकि प्रत्येक बच्चे में अद्वितीय प्रतिभा है। दूसरा, शिक्षकों को छात्रों की तुलना नहीं करनी चाहिए और सार्वजनिक रूप से उनकी आलोचना करने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा, "सबसे पहले तो मेरा, मां–बाप और परिवारजनों से आग्रह है कि आप अपनी संतानों को समझने और जानने का प्रयास कीजिए।

राजनाथ ने एयरो इंडिया में भारत, आई डक्स और कर्नाटक मंडपों का उद्घाटन किया

बेंगलुरू, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को यहां एयरो इंडिया में भारत पैवेलियन, आई डक्स और कर्नाटक मंडपों का उद्घाटन किया। इंडिया पैवेलियन में अत्याधुनिक उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के माध्यम से घरेलू रक्षा उद्योगों की डिजाइन, विकास, नवाचार और विनिर्माण क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया है। यह 'आत्मनिर्भरता की उड़ान' का प्रतीक है, जो तीनों सेनाओं और अंतरिक्ष क्षेत्र के बीच तालमेल तथा वैश्विक एयरोस्पेस और रक्षा महाशक्ति बनने की दिशा में भारत की यात्रा की झलक दिखाता है। उद्घाटन के बाद, रक्षा मंत्री ने मंडप में स्थापित विभिन्न स्टालों का दौरा किया और कंपनियों के प्रतिनिधियों से बातचीत की, उनके उत्पादों का निरीक्षण किया। इंडिया पैवेलियन में, विभिन्न माध्यमों से 275 से अधिक उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं, जिनका प्रतिनिधित्व देश के संपूर्ण रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा किया जा रहा है, जिसमें रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम, डिजाइन

हाउस और सूक्ष्म लघु तथा मध्यम इकाइयों और स्टार्ट–अप सहित निजी कंपनियां शामिल हैं। एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट , कॉम्बैट एयर टीमिंग सिस्टम और ट्विन–इंजन डेक–बेस्ड फाइटर सहित मार्की प्लेटफॉर्म इनमें प्रमुख रूप से शामिल है। आई डक्स पैवेलियन में, अग्रणी नवाचार एयरोस्पेस, डिफ़स्पेस, एयरो स्ट्रक्चर्स, एंटी–ड्रोन सिस्टम, ऑटोनॉमस सिस्टम, रोबोटिक्स, संचार, साइबर सुरक्षा, निगरानी और ट्रैकिंग, मानव रहित ग्राउंड व्हीकल सहित उन्नत डोमेन की एक विस्तृत श्रृंखला में स्वदेशी उत्पाद प्रदर्शित हैं। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने तीन प्रकाशनों आई डक्स रिपोर्ट 2024, आई डक्स कॉफी टेबल बुक और आई डक्स फाइनेंस मैनुअल का अनावरण किया। आई डक्स रिपोर्ट और कॉफी टेबल बुक में रक्षा नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के प्रमुख मील के पत्थर पर प्रकाश डाला गया है। कर्नाटक पैवेलियन में राज्य के रक्षा और एयरोस्पेस उद्योगों की अत्याधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन किया जा रहा है। ये नवाचार रक्षा और एयरोस्पेस में कर्नाटक के मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र को उजागर करते हैं, जिसे 2,000 से अधिक एसएमई द्वारा समर्थन प्राप्त है।

प्रयागराज की तरह ऐतिहासिक और सुविधाजनक बनाया जाएगा हरिद्वार कुंभ

महाकुंभनगर, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को भी परिवार संग त्रिवेणी संगम में पुण्य स्नान कर मां गंगा, यमुना और सरस्वती को नमन किया। उन्होंने प्रयागराज की तरह ऐतिहासिक और सुविधाजनक हरिद्वार कुंभ बनाए जाने की बात कही। श्री धामी महाकुंभ को धार्मिक महापर्व बताते हुए कहा कि संगम में डुबकी लगाना अपने आप में बहुत बड़े धर्म का काम है। देश–विदेश से श्रद्धालु पुण्य लाभ अर्जित करने के लिए महाकुंभ पहुंच रहे हैं।

स्नान के दौरान मुख्यमंत्री धामी का पारिवारिक रूप भी देखने को मिला। वह बच्चे के साथ संगम की लहरों में हंसी–ठिठोली करते दिखे। मुख्यमंत्री धामी ने हरिद्वार में 2027 में होने वाले कुंभ की तैयारियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार अभी से इसकी तैयारी में जुट गई है। जिससे हरिद्वार कुंभ भी प्रयागराज की तरह ऐतिहासिक और सुविधाजनक बनाया जा सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उत्तराखंड सरकार महाआयोजन के दौरान श्रद्धालुओं के लिए हर संभव सुविधा उपलब्ध कराएगी। आयोजन को भव्य एवं दिव्य बनाया जाएगा। संगम में स्नान के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बड़े सौभाग्य की बात है कि मुझे भी यहां आस्था की डुबकी लगाने का अवसर मिला। प्रयागराज देश–दुनिया के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यहां आकर मन को असीम शांति और ऊर्जा मिलती है। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में पूज्य संत–महात्माओं का आशीर्वाद लिया और कहा कि संत ही समाज की दिशा तय करते हैं। उन्होंने कहा कि हम उनके मार्गदर्शन से ही प्रेरणा लेते हैं और उनके आशीर्वाद से आगे बढ़ते हैं।

चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रही है सरकार : राहुल

नयी दिल्ली, 10 फरवरी (वार्ता) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि लोकतंत्र में सरकार को चुनावी प्रक्रिया में निष्पक्ष होकर काम करना

चाहिए और जब भी वह हस्तक्षेप करती है तो लोकतंत्र दम तोड़ने लगता है। श्री गांधी ने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सरकार को चुनावी प्रक्रिया में किसी भी तरह का दखल नहीं देना चाहिए।

केरल में हाथी हमले में पीड़ित के परिवार से प्रियंका ने की मुलाकात, कहा-

मैंने खाई देखी जो बहुत बुरी स्थिति में है

वायनाड, एजेंसी। हाथी हमले के पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात के बाद, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि पहले मैं जहां गई थी, वहां मैंने खाई देखी जो बहुत बुरी स्थिति में है और स्थानीय लोगों को इस पर भरोसा नहीं है क्योंकि उन्हें लगता है कि इसकी मरम्मत और खुदाई के बाद भी इसका रखरखाव नहीं किया जाएगा... मैंने विकल्पों पर चर्चा की है और कुछ सुझाव दिए हैं। हम सब मिलकर इस पर काम करेंगे। यहां के लोगों के लिए सुरक्षित महसूस करना और बुनियादी सुविधाएं प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण है। निर्वाचन क्षेत्र वायनाड में मानव–पशु संघर्ष से निपटने के लिए धनराशि बढ़ाने को लेकर केंद्र और केरल सरकार पर दबाव डालने और इस संबंध में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कोष जुटाने का रविवार को संकल्प लिया। तिरुवम्बाडी विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के बूथ स्तर के नेताओं को संबोधित करते हुए वायनाड से सांसद प्रियंका ने कहा कि वह मानव–पशु संघर्ष की घटनाओं को कम से कम करने का पूरा

प्रयास करेंगी। मैने उनसे कहा कि मैं समस्या के समाधान के लिए केंद्र और राज्य सरकार पर धनराशि बढ़ाने के लिए दबाव डालूंगी और साथ ही जहां भी हम मदद कर सकते हैं, वहां सीएसआर कोष जुटाएंगे।" उन्होंने कहा कि जनवरी से अब तक जंगली जानवरों के हमलों के कारण वायनाड में चार मौतें हो चुकी हैं।

वायनाड की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन, प्रियंका ने एरनाड विधानसभा क्षेत्र में अपनी पहली बैठक में मानव–पशु संघर्ष के मुद्दे पर कहा कि वह केंद्र और राज्य सरकार (दोनों सरकारों) को अधिक धन आवंटित करने के लिए पत्र लिखेंगी, क्योंकि प्रभावी संरक्षण उपायों के लिए समुचित धन जरूरी है।

बैठक के बाद मानव–पशु संघर्ष के मुद्दे पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वह पहले भी एक बार इस मुद्दे को उठा चुकी हैं और आगे भी उठाती रहेंगी। इससे पहले, प्रियंका ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि इतिहास में पहली बार कोई सरकार देश के संविधान और लोकतंत्र, दोनों को कमजोर करने के प्रयास कर रही है।

मोदी फ्रांस और अमेरिका की यात्रा पर रवाना

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फ्रांस और अमेरिका की चार दिन की यात्रा पर सोमवार को रवाना हो गए। श्री मोदी ने रवाना होने के पहले अपने वक्तव्य में कहा,"राष्ट्रपति मैक्रों के निमंत्रण पर, मैं 10 से 12 फरवरी तक फ्रांस की यात्रा करूंगा। पेरिस में, मैं एआई एक्शन समिट की सह–अध्यक्षता के लिए तत्पर हूं, जो विश्व के नेताओं और वैश्विक तकनीकी मुख्य कार्यकारी अधिकारियों का सम्मेलन है, जहां हम समावेशी, सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से नवाचार और बड़े सार्वजनिक भलाई के लिए एआई प्रौद्योगिकी के लिए सहयोगी दृष्टिकोण पर विचारों का आदान–प्रदान करेंगे।" प्रधानमंत्री ने कहा, "मेरी यात्रा का द्विपक्षीय खंड मेरे मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ भारत–फ्रांस रणनीतिक साझीदारी के लिए 2047 होराइजन रोडमैप पर प्रगति की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करेगा। हम फ्रांस में पहले भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करने के लिए ऐतिहासिक फ्रांसीसी शहर मार्सिले की भी यात्रा करेंगे और अंतर्राष्ट्रीय थर्मोन्यूक्लियर प्रायोगिक रिएक्टर परियोजना का भी दौरा करेंगे, जिसमें भारत वैश्विक भलाई के लिए ऊर्जा का उपयोग करने के लिए फ्रांस सहित साझीदार देशों के संघ का सदस्य है। मैं उन भारतीय सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करूंगा जिन्होंने प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मजारगुए युद्ध कब्रिस्तान में अपने प्राणों की आहुति दी।"

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संगम में लगायी पुण्य की डुबकी

महाकुंभ नगर, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाकुंभ 2025 के अवसर पर सोमवार पूर्वान्ह गंगा,यमुना और अदृश्य सरस्वती के पावन त्रिवेणी पर आस्था की डुबकी लगायी और राष्ट्र की सुख समृद्धि की कामना की। श्रीमती मुर्मू ने संगम में डुबकी लगाने से पहले राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ जेटी पर कलरव कर रहे साइबेरियन पक्षियों को दाना चुगाया। उसके बाद वह संगम में उतर कर आचमन किया और सूर्य को अर्घ्य दिया और पवित्र जल को मस्तक से लगाया। उसके बाद उन्होंने अपने हाथ से मां गंगा को पुष्प और नारियल अर्पित किया। स्नान के बाद तीर्थ पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच राष्ट्रपति से जेटी पर ही पूजन कराया। राष्ट्रपति ने पूजा के समय गुलाबी रंग की साड़ी पहन रखी थी। राष्ट्रपति के साथ प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने भी संगम में पुण्य स्नान किया।

खुले में शौच मुक्त की घोषणा स्वयं गांव करता है : मंत्री

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने आज राज्यसभा में कहा कि देश में जितने गांव खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) हैं वे सभी स्वयं को इसके लिए तैयार करते हैं और इसके लिए आवश्यकत काम भी स्वयं गांव ही करता है और जब तैयारियां पूरी हो जाती है तो जिलास्तर से होते हुये उसकी जानकारी केन्द्र सरकार के स्तर तक पहुंचायी जाती है तब फिर

गांव को खुले में शौच मुक्त घोषित होता है। श्री पाटिल ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि ओडीएफ की एक प्रक्रिया है और ग्राम पंचायत इसको प्रभावी करता है। ग्राम पंचायत को ही इसके लिए आवश्यक पहल करनी होती है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान 2014 में शुरू किया गया और उसी के तहत लोगों को शौचालय बनाने के लिए सहायता दी गयी है। इसके लिए जिनते लोगों ने आवेदन किये थे सभी को शौचालय की सुविधा प्रदान की जा चुकी है और नये बने 3.5 लाख घरों में शौचालय बनाने के आवदेन भी आ चुके हैं और प्रक्रिया जारी है।

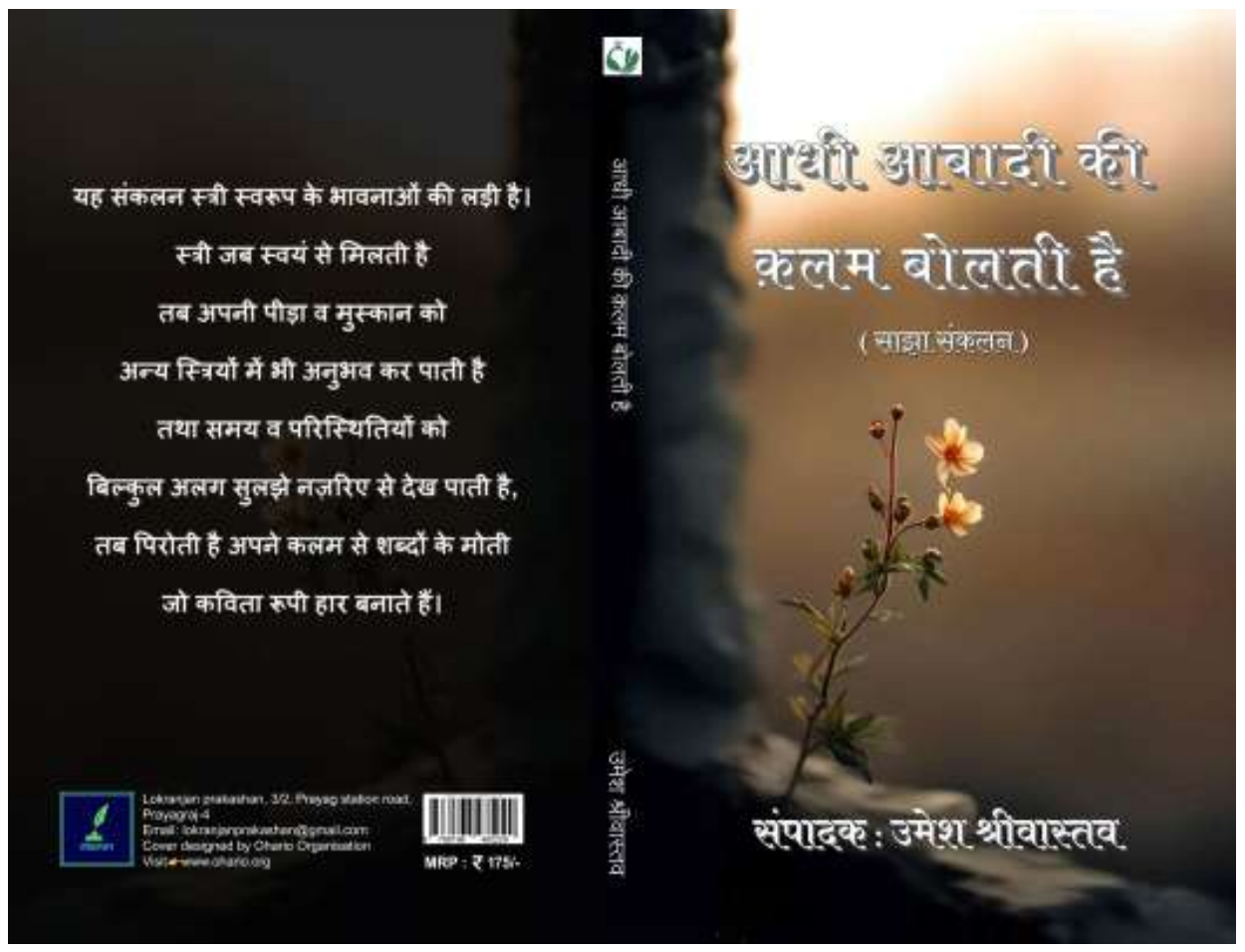

ममता ने किन्नर अखाड़े के महामंडलेश्वर पद से दिया इस्तीफा

कहा– साध्वी हूं और बनी रहूंगी

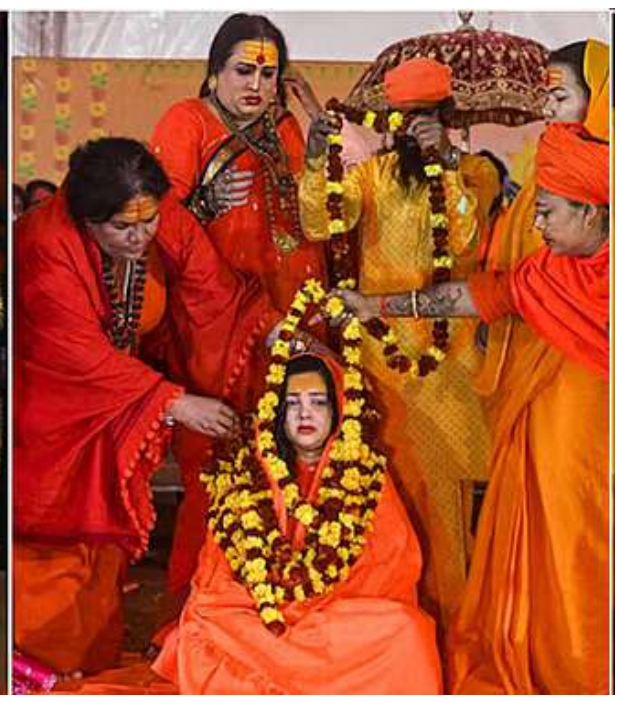

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनाई गईं ममता कुलकर्णी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कहा कि वह साध्वी थीं और रहेंगी। मुझे महामंडलेश्वर की पदवी देने पर कुछ लोगों को आपत्ति हो गई।

किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनाई गईं ममता कुलकर्णी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कहा कि वह साध्वी थीं और रहेंगी। मुझे महामंडलेश्वर की पदवी देने पर कुछ लोगों को आपत्ति हो गई। इस विवाद के चलते वह अपने पद से इस्तीफा दे रही हैं। सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल करके पूर्व अभिनेत्री ने कहा कि मैं 25 साल से साध्वी हूं और आगे भी साध्वी रहूंगी।

ममता कुलकर्णी ने कहा कि महामंडलेश्वर बनाकर मुझे जो सम्मान दिया गया था उसको लेकर अखाड़े में विवाद शुरू हो गया था। मुझे बॉलीवुड को छोड़े 25 साल हो गए हैं। मेकअप और बॉलीवुड को छोड़ना आसान नहीं है। मैंने देखा कि मेरे महामंडलेश्वर बनाए जाने से काफी लोगों को दिक्कत हो गई। मेरे जो गुरु हैं जिनके सानिध्य में मैंने घोर तपस्या की, उनके बराबर तो मुझे कोई दिखता नहीं है। मुझे किसी कैलाश या मनसरोवर जाने की जरूरत नहीं है। जिन लोगों को मुझसे आपत्ति है, उनके बारे में मैं कम बोलूं तो बेहतर होगा।

कुलकर्णी ने आगे कहा कि महामंडलेश्वर के रूप में मुझे जो सम्मान मिला, वह 25 साल तक तैराकी सीखने और फिर बच्चों को इसे सिखाने जैसा था, लेकिन महामंडलेश्वर के रूप में मेरी नियुक्ति के बाद जो आक्रोश हुआ, वह अनावश्यक था। मैंने 25 साल पहले बॉलीवुड छोड़ दिया और फिर मैं गायब हो गई और हर चीज से दूर हो गई। मैं जो कुछ भी करती हूं, उस पर लोगों की बहुत अधिक प्रतिक्रियाएं होती हैं।

सोशल मीडिया पर कुछ दिनों से जारी विवाद के बाद ममता कुलकर्णी ने यह इस्तीफा दिया है। उन्हें कुछ दिनों पहले इस पर से निष्कासित कर दिया गया था। उनके साथ लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को भी आचार्य महामंडलेश्वर के पद से हटा दिया गया था। ये कार्रवाई किन्नर अखाड़े के संस्थापक अजय दास ने की थी। इस बात को लेकर भी मतभेद हैं। महामंडलेश्वर पद से हटाए जाने पर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने कहा कि अजय दास मुझे अखाड़े से निकालने वाले कौन होते हैं, उन्हें तो 2017 में ही अखाड़े से निकाल दिया गया था।

ममता को महामंडलेश्वर बनाए जाने पर किन्नर अखाड़े के संस्थापक ने आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को भी पदमुक्त कर दिया था। ऋषि अजय दास ने कहा, अब नए सिरे से अखाड़े का पुनर्गठन किया जाएगा और जल्द ही नए आचार्य महामंडलेश्वर के नाम का एलान होगा। बता दें कि बीते शुक्रवार यानी 24 जनवरी को किन्नर अखाड़ा में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महामंडलेश्वर के रूप में ममता कुलकर्णी का पट्टाभिषेक किया गया था। अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की पहल पर ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाया गया था।

महाकुंभ स्नान के बाद प्रयागराज से रवाना हुई राष्ट्रपति, श्रद्धालुओं का उमड़ा हुजूम

प्रयागराज। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संगम में पवित्र डुबकी लगाई। इससे पहले, उन्होंने प्रवासी पक्षियों को दाना खिलाया। महाकुंभ में आज भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। प्रयागराज में सभी सड़कें जाम हैं। यहां पढ़ें पल–पल का अपडेट।

महाकुंभ के पलट प्रवाह के चलते रामनगरी अयोध्या में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। प्रयागराज महाकुंभ से बड़ी संख्या में श्रद्धालु लगातार पहुंच रहे हैं। अयोध्या में श्रद्धालु सरयू स्नान करने के बाद रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन–पूजन कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती तादाद में अयोध्या को चारों तरफ से जाम कर दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू महाकुंभ मेला में पवित्र डुबकी लगाने के बाद प्रयागराज से रवाना हुईं। उनके साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने महाकुंभ की ओर आने वाले रास्तों पर भयंकर जाम को लेकर कहा, भारी यातायात के कारण प्रयागराज में प्रवेश करने या बाहर निकलने की सभी सड़कें जाम हैं। पहली बार, प्रयागराज के लोग श्हाउस अरेस्टश में हैं क्योंकि वे बाहर नहीं जा सकते। अगर 10,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं और केंद्र सरकार भी मदद कर रही है, तो लोगों को समस्याओं का सामना क्यों करना पड़ रहा है? सेना से मदद लेनी चाहिए थी।

प्रतिदिन औसतन 1.44 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई संगम में डुबकी

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक सांस्कृतिक समागम श्श्महाकुंभ ने दुनिया को अचंभित कर रखा है। दुनिया भर के बड़े धार्मिक आयोजनों में यह अपनी विशेष पहचान बना चुका है। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक सांस्कृतिक समागम श्श्महाकुंभ ने दुनिया को अचंभित कर रखा है। दुनिया भर के बड़े धार्मिक आयोजनों में यह अपनी विशेष पहचान बना चुका है। प्रयागराज में मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों के पावन संगम में बीते 30 दिनों में आस्था का अटूट रेला उमड़ रहा है। प्रतिदिन मेले में श्रद्धाभाव से पहुंच रहे श्रद्धालुओं की संख्या का आंकलन करें तो औसतन 1.44 करोड़ लोग हर रोज त्रिवेणी संगम में डुबकी लगा रहे हैं। विशेष पर्वों पर श्रद्धालुओं की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के पर्व पर सर्वाधिक 7.64 करोड़ से ज्यादा, जबकि इससे एक दिन पहले 28 जनवरी को 4.99 करोड़ से ज्यादा लोगों ने संगम स्नान किया। वहीं 14 जनवरी (मकर संक्रांति) को 3.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया था। आस्थावानों का रेला मौनी अमावस्या के बाद भी नहीं थमा है और प्रतिदिन करीब एक करोड़ और इससे ज्यादा लोग संगम में डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। इस दौरान भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत प्रोत नजर आ रही है। 9 फरवरी तक 43 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। आस्था के इस महा मेले ने न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया के सनातन संस्कृति प्रेमियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया है।

इन तिथियों पर जुटे सर्वाधिक श्रद्धालु

13 जनवरी (पौष पूर्णिमा) को 1.70 करोड़
14 जनवरी (मकर संक्रांति) को 3.50 करोड़
26 जनवरी को 1.74 करोड़
27 जनवरी को 1.55 करोड़
28 जनवरी को 4.99 करोड़
29 जनवरी (मौनी अमावस्या) को 7.64 करोड़
30 जनवरी को 2.06 करोड़
31 जनवरी को 1.82 करोड़
01 फरवरी को 2.15 करोड़
03 फरवरी (बसंत पंचमी) को 2.57 करोड़
09 फरवरी को 1.57 करोड़

किन्नर जगद्गुरु हिमांगी सखी पर जानलेवा हमला, शिविर में घुसकर की मारपीट, लूट का भी आरोप

प्रयागराज। हिमांगी सखी महाकुंभ मेला के सेक्टर 8 स्थित शिविर में ठहरी हुई हैं। उन्होंने पुलिस को तहरीर देते हुए आरोप लगाया कि 8 फरवरी की रात लगभग पौने दस बजे चार पहिया गाड़ी में सवार 2 दर्जन से अधिक लोग हाथों में तलवार, फावड़ा और अन्य हथियार लेकर उनके शिविर में घुस गए।

किन्नर जगद्गुरु हिमांगी सखी पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि शनिवार की रात दो दर्जन से अधिक हथियारबंद लोगों ने शिविर में घुसकर हमला किया। उन्होंने जान से मारने की धमकी दी। हमलावर मारपीट करने के बाद लगभग दस लाख रुपये के सोने के जेवरात लूट ले गए। हालांकि कुम्भ पुलिस का दावा है कि दोनों पक्ष ने बाद में समझौता कर लिया।

महाराष्ट्र के थाणे जिले के वसई निवासी हिमांगी सखी मेला के सेक्टर नंबर आठ स्थित शिविर में ठहरी हुई हैं। उन्होंने पुलिस को तहरीर देते हुए आरोप लगाया कि आठ फरवरी की रात लगभग पौने 10 बजे चार पहिया गाड़ी में सवार 2 दर्जन से अधिक लोग हाथों में तलवार, फावड़ा और अन्य हथियार लेकर उनके शिविर में घुस गए। आरोप है कि उन्होंने सुरक्षा कर्मियों और सेवादारों को बंधक बनाने के बाद हिमांगी सखी पर हमला किया।

मारपीट के पीछे बीते दिनों हिमांगी सखी के बयान को वजह बताया जा रहा है। हमले में घायल हिमांगी सखी ने बेली अस्पताल में इलाज कराया। उन्होंने आरोप लगाया कि तहरीर देने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। हमलावरों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज नहीं किया गया।

उधर, पुलिस का कहना है कि थाने में दोनों पक्ष ने आपस में सुलह–समझौता कर लिया है। इस वजह से किसी तरह की कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है।

उधर, महाकुम्भ 2025 में भ्रामक पोस्ट और अफवाहें फैलाने वालों पर प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। महाकुम्भ पुलिस ने रविवार को 14 'एक्स' एकाउंट के खिलाफ कोतवाली कुम्भ मेला में मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि झारखंड की एक पुरानी घटना के वीडियो को महाकुम्भ से जोड़कर पोस्ट किया गया है। पहले भी महाकुम्भ में भगदड़ को लेकर भ्रामक वीडियो पोस्ट करने के आरोप में 11 सोशल मीडिया एकाउंट के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार के निर्देश पर सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही गलत सूचनाओं की निगरानी की जा रही है। डीआईजी कुम्भ वैभव कृष्ण ने बताया कि सोशल मीडिया पर महाकुम्भ से जुड़ी भ्रामक खबरें फैलाने वालों को चिह्नित कर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। महाकुम्भ को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है। साथ ही आम जनता से अपील है कि किसी भी भ्रामक सूचना पर विश्वास न करें।

दुनिया का सबसे बड़ा शहर प्रयागराज, हवा की गुणवत्ता बेहद अच्छी, प्रदूषण नियंत्रण में नया रिकॉर्ड

प्रयागराज। दुनिया के सबसे बड़े शहर की हवा की गुणवत्ता ऋषिकेश से भी ज्यादा सेहतमंद है। जनवरी में महज सात दिन और फरवरी में महज दो दिन हवा की सेहत बिगड़ी। प्रदूषण नियंत्रण विभाग की ओर से जारी एडवायजरी के अनुसार काम हो रहा है। दुनिया के सबसे बड़े शहर प्रयागराज ने श्रद्धालुओं की संख्या के साथ ही प्रदूषण नियंत्रण में भी नया रिकॉर्ड बनाया है। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज की हवा पिछले चार सालों में सबसे साफ है। जनवरी में महज सात दिन और फरवरी में केवल दो दिन ही कुछ हिस्सों की हवा की गुणवत्ता खराब हुई। बात करें पूरे शहर की तो एयर क्वालिटी इंडेक्स ग्रीन जोन में बना हुआ है। उत्तराखंड के शहर देहरादून (93) और ऋषिकेश (76) की तुलना में प्रयागराज का एयर क्वालिटी इंडेक्स 57 रहा।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के समीर ऐप के आंकड़ों के अनुसार जनवरी के महीने में तेलियरगंज का इलाका सबसे अधिक साफ रहा और 30 दिनों तक एयर क्वालिटी इंडेक्स ग्रीन जोन में था। वहीं नगर निगम का क्षेत्र 28 और झूंसी 24 दिन ग्रीन जोन में रहा। अधिकतम एयर क्वालिटी इंडेक्स झूंसी का 156, नगर निगम का 143 और मोतीलाल नेहरू एयर स्टेशन का 134 तक गया था। जनवरी 2022 में मोतीलाल नेहरू एयर स्टेशन का एक्यूआई 354, जनवरी 2023 में 237 और जनवरी 2024 में 202 तक पहुंच गया था। झूंसी का एयर क्वालिटी इंडेक्स जनवरी 2022 में 301, जनवरी 2023 में एक्यूआई 215 और जनवरी 2024 में अधिकतम एक्यूआई 158 था। नगर निगम का एक्यूआई जनवरी 2022 में 272, जनवरी 2023 में 235 और जनवरी 2024 में 229 था। प्रदूषण नियंत्रण विभाग की ओर से लगातार कराई जा रही मॉनिटरिंग और विभागों के समन्वय से शहर की हवा की सेहत महाकुंभ के दौरान नहीं बिगड़ी। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी एससी शुक्ला ने बताया कि मेला क्षेत्र में लगातार पानी का छिड़काव कराया जा रहा है। और शहर के क्षेत्रों में इंटरलॉकिंग की गई है। इससे धूल नहीं उड़ने से वायु प्रदूषण पर नियंत्रण करने में सफलता मिली है। इसके साथ ही आम जनता से भी मानकों का पालन करने की अपील लगातार की जा रही है।

मोतीलाल नेहरू एनआईटी
जनवरी में अधिकतम एक्यूआई 134 रहा
30 दिन ग्रीन जोन में रहा
नगर निगम प्रयागराज
जनवरी 2022 में अधिकतम एक्यूआई 272
17 दिन खराब रही हवा
जनवरी 2023 में अधिकतम एक्यूआई 235
25 दिन खराब रही हवा
जनवरी 2024 में अधिकतम एक्यूआई 229
30 दिन खराब रही हवा
वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रयास
–मेला क्षेत्र में बालू और धूल के कण उड़ने से रोकने के लिए नियमित पानी का छिड़काव
– शहर की कालोनियां में कराया गया इंटरलॉकिंग का कार्य

डबल मर्डरः मां ने गला घोंटकर दो बेटियों को मौत के घाट उतारा, फिर चाकू से खुद का भी गला रेता

अमरोहा। अमरोहा में एक मां ने दो मासूम बेटियों की गला दबाकर हत्या कर दी फिर खुद का भी गला चाकू से रेत लिया। घर के आंगन में लहूलुहान हाल में महिला को देख उसक बड़ी बहन ने शोर मचाया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई।

यूपी के अमरोहा से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक मां ने दो मासूम बेटियों की गला दबाकर हत्या कर दी फिर खुद का भी गला चाकू से रेत लिया। घर के आंगन में लहूलुहान हाल में महिला को देख उसक बड़ी बहन ने शोर मचाया। थोड़ी ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई।

ये घटना नौगांवा सादात थाना क्षेत्र के बहादुरपुर खुर्द का है। जहां सोमवार दोपहर करीब 12 बजे सोनिया ने अपनी 9 साल की बेटी अनुष्का और 5 साल की किट्टो की कपड़े से गला घोंटकर हत्या कर दी। फिर चाकू से अपनी भी गर्दन काट ली। उसकी बड़ी बहन ने जब आंगन में उसे लहूलुहान हाल में देखा तो शोर मचाया। परिवार के अन्य परिजन भी मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, अनुष्का और किट्टों को बेड पर मृत अवस्था में देख परिजनों के होश उड़ गए। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई।

पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल सोनिया ने ये कदम क्यों उठाया इसकी जांच की जा रही है। सोनिया की 10 साल पहले कौपीन के साथ शादी हुई थी। सोनिया की बड़ी बहन पूनम की भी शादी कौपीन के बड़े भाई रामभील के साथ हुई है। शनिवार को ही नोएडा से कौपीन घर आया था और सोमवार सुबह वह वापस चला गया था।

उधर, बलिया जिले के खेजुरी क्षेत्र में एक कोचिंग संचालक और उनकी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी गयी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) ओमवीर सिंह ने सोमवार को बताया कि रविवार रात खेजुरी थाना क्षेत्र के मासूमपुर गांव में कोचिंग संचालक श्याम लाल चौरसिया (55) और उनकी पत्नी बासमती चौरसिया (50) की धारदार हथियार से हत्या कर दी गयी।

उन्होंने बताया कि देर रात करीब 10 बजे पुलिस को मासूमपुर गांव में सड़क के किनारे एक घर में एक पुरुष और एक महिला का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर देखा तो चौरसिया और उसकी पत्नी के शव घर के बाहर पड़े थे।

महाकुंभ यात्रियों को लेकर एक दिन में निकलीं 330 ट्रेनें, रेलमंत्री बोले– सब कुछ बहुत बढ़िया

प्रयागराज। महाकुंभ में मौनी अमावस्या का स्नान खत्म होने के बाद भी श्रद्धालुओं का रेला जारी है। इनके लिए रेलवे ने खास इंतजाम किए हैं। रेल मंत्री ने कहा कि सबकुछ बहुत बढ़िया चल रहा है। अफवाहों पर ध्यान न दें। महाकुंभ में सड़क मार्ग से आने वालों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रयागराज आने वाली हर सड़क पर कई–कई किलोमीटर तक जाम लगा हुआ है। लोगों को अपनी ही गाड़ी में 12 से 24 घंटे तक बैठे रहना पड़ रहा है। ट्रेनों में भी भारी भीड़ है। इस बीच रेलवे की तरफ से खुद मंत्री अश्वनी वैष्णव ने दावा किया है कि प्रयागराज के सभी आठ स्टेशनों पर सबकुछ बहुत व्यवस्थित तरीके से चल रहा है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की

है। इससे पहले की तरफ से भी प्रयागराज जंक्शन स्टेशन को बंद करने की खबर को अफवाह बताया था। कहा था कि प्रयागराज संगम स्टेशन को केवल बंद किया गया है। इसका कारण भी बताया था। रेलमंत्रत्री ने सोमवार को कहा कि प्रयागराज में सभी आठ स्टेशनों पर महाकुंभ आने वालों का बहुत अच्छे से व्यवस्थित तरीके से संभाला जा रहा है। राज्य सरकार और मेला प्रशासन के साथ बहुत अच्छे से समन्यवय के साथ काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि रविवार को मेला प्रशासन के सहयोग से प्रयागराज जंक्शन से 330 ट्रेनें निकली हैं। आज भी बहुत व्यवस्थित तरीके से सबकुछ चल रहा है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर कोई ध्यान नहीं देने की अपील की है। वहीं, उत्तर रेलवे की तरफ से कहा गया है कि कुछ मीडिया हाउस द्वारा यह प्रचारित किया जा रहा है कि प्रयागराज जंक्शन को बंद कर दिया गया है।

महाकुंभ को लेकर अनर्गल प्रलाप बंद करिए, सरकार श्रद्धालुओं की सेवा में जुटी हैः केशव मौर्य का अखिलेश पर हमला

प्रयागराज। अखिलेश यादव महाकुंभ में होने वाली अव्यवस्था को लेकर लगातार योगी सरकार पर निशाना साध रहे हैं। एक्स पर ट्वीट कर महाकुंभ का हाल बता रहे हैं। हालांकि अब यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को महाकुंभ को लेकर अनर्गल प्रलाप बंद कर देना चाहिए।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव महाकुंभ में होने वाली अव्यवस्था को लेकर लगातार योगी सरकार पर निशाना साध रहे हैं। एक्स पर ट्वीट कर महाकुंभ का हाल बता रहे हैं। हालांकि अब यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ष्अखिलेश यादव जी, महाकुंभ को लेकर अनर्गल प्रलाप बंद कीजिए। पूरे देश से श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने आ रहे हैं, सरकार और भाजपा कार्यकर्ता सेवा ही संगठन के संकल्प के साथ दिन–रात श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हैं।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि वह महाकुंभ को लेकर अनर्गल प्रलाप बंद कर दें। सरकार श्रद्धालुओं की सेवा में जुटी हुई है।

'दे–दे प्यार दे' गाना सुनते ही स्टेज पर चढ़ गए योगी के मंत्री, जमकर लगाए ठुमके

प्रयागराज। योगी सरकार के राज्यमंत्री मनोहरलाल पंथ उर्फ मन्नू कोरी का एक वीडियो सोशल मीडिया सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें वह एक शादी समारोह में दे–दे प्यार दे गाने पर ठुमके लगाते नजर आ रहे हैं। दअसलल, ललितपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में जैसे ही गायिका ने यह गाना गाया वैसे ही राज्यमंत्री ने अपने आप को डांस करने से नहीं रोक पाए और मंच पर आकर थिरकने लगे। वहीं किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया।

महरौनी से दो बार के विधायक और प्रदेश में श्रम एवं सेवायोजन राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक ये वीडियो उनके गृहजनपद ललितपुर का है। जहां एक शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे।

मोक्ष से ही होता है मानव जन्म सार्थक –डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि चौरासी लाख योनियों के बाद हासिल दुर्लभ मानव जन्म मोक्ष से ही सार्थक होता है।

पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा. श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम की 97वीं वार्षिक ज्ञान महासभा, जो कि काकीनाडा रोड, पीठापुरम स्थित श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नए आश्रम परिसर में तीन दिनों तक आयोजित की जाएगी, रविवार को धूमधाम से शुरू हुई। पीठाधिपति ने दीप प्रज्वलित करके कार्यवाही शुरू की।

इस अवसर पर बोलते हुए पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि 'जीवात्मा ही परमात्मा है।'

उन्होंने कहा कि मनुष्य का जन्म एक बार ही मिलता है। ऐसा कहा जाता है कि आत्मा मनुष्य की मानसिक और शारीरिक प्रणालियों को मुक्ति प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि धर्म के मार्ग पर चलकर ही मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है। मोक्ष प्राप्ति के लिए व्यक्ति को इच्छा रहित अवस्था तक पहुंचना चाहिए तथा गुरु की शरण लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जीवन विकास की प्रक्रिया में, गर्भकालीन अवस्था में दार्शनिक जीवन रसायन दर्शन अंड, भ्रूण बन बनकर शिशु अवस्था में रूपांतरित होता है। उनके लिए दार्शनिक बाल विकास दर्शन, युवा अवस्था में युवा विकास दर्शन, किशोरावस्था में आध्यात्मिक, दार्शनिक ज्ञान दर्शन, और वृद्धावस्था में मस्तिष्क का दर्शन, सभी दर्शन जो ईश्वरत्व को सहज बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए प्रयास करने वाली यह पीठ ही सार्वभौमिक विज्ञान शिक्षा की आध्यात्मिक पीठ है।

समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सीबीआई के पूर्व संयुक्त निदेशक वी.वी. लक्ष्मीनारायणा ने श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के प्रति अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वे प्रबंधन के माध्यम से बौद्धिक जुड़ाव के जरिए लोगों को एक साथ लाने का प्रयास कर रहे हैं। जो दर्शन सभी को एकजुट करता है, वह भारतीय दर्शन है और अपने सदस्यों को ऐसा दर्शन सिखाकर हम अच्छे लोगों का एक अच्छा समुदाय बनाते हैं।

उन्होंने डॉ. उमर अली शाह

की सराहना करते हुए कहा कि वह बहुत अच्छी व्यवस्था कर रही है। उन्होंने बताया कि यदि एक शिष्य एक विश्वसनीय गुरु के साथ यात्रा करता है तो उसका जीवन सार्थक हो जाता है। उन्होंने शिष्यों को सलाह दी कि वे पीठ की विशिष्टता को दूरदराज के गांवों तक फैलाने के लिए कड़ी मेहनत करें।

इसके बाद उमर अलीशा पब्लिक स्कूल के संवाददाता हुसैन शाह, चिंता पल्ली अमृतावल्ली, पीठम केंद्रीय समिति सदस्य डॉ. पिंगली आनंद कुमार, के. स्वर्णलता, डॉ. एन. राम गोपाल वर्मा, एनआरआई सदस्य टी.एस.वी. श्रीनिवास, सूर्य कुमार और उषारानी ने कहा कि मनुष्य सद्गुरु की शरण में जाकर दार्शनिक ज्ञान को समझकर अपने जीवन को सुखमय बना सकता है। उन्होंने कहा कि शिष्यों को गुरु के निर्देशों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी को यह मानना घ्घ्चाहिए कि मानव जीवन पांच तत्वों के सहयोग से ही चलता है और हमें निस्वार्थ जीवन जीते हुए कृतज्ञ रहना चाहिए। उन्होंने महिला कल्याण और अंतरधार्मिक भाईचारे के लिए धर्मप्रांतों के प्रमुखों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

इसके बाद, रिपोर्ट 2025, पीठम और उमर अली शाह ग्रामीण विकास ट्रस्ट की विशेषताओं को समझाने वाले अंग्रेजी और तेलुगु ब्रोशर वितरित किए गए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीबीआई के पूर्व संयुक्त निदेशक वी.वी. लक्ष्मीनारायणा के साथ काकीनाडा जिले की तृतीय अतिरिक्त न्यायाधीश पी. कमलादेवी और नर्तक डॉ. सप्पा दुर्गा प्रसाद थे, जिन्होंने मुख्य हॉल में प्रतिमा का अनावरण किया।

जेएनटीयू के पिठापुरम के सीआई श्रीनिवास, प्रोफेसर डॉ. एल. सुमलता, डॉ. हरनाथ राजू, दक्षिण मध्य रेलवे,

उपनगरीय रेल यूनियन के महासचिव नूर अहमद अली, रिलायंस इंडस्ट्रीज वेयरहाउस मैनेजर के. सुधाकर रेड्डी, योगरत्न डॉ. ज्योथुला नागेश्वर राव और अन्य ने पीठाधिपति के दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण किया।

पतुरी कोंडल रेड्डी की कविताओं के गायन और दार्शनिक बाल विकास, नंद्याला यशवंत और बादाम उर्विशा के छात्रों के आध्यात्मिक भाषणों से दर्शकों का मनोरंजन हुआ। आचार्य संगीतमय कार्यक्रम में उमामुकुंद समूह द्वारा गाए गए कीर्तन ने श्रोताओं को आनंदित कर दिया। बैठक में भाग लेने के लिए देश–विदेश से आये सदस्यों के लिए आश्रम में निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर 324 लोगों को नये सदस्य के रूप में मन्त्रोपदेशम (मन्त्रोपदेशम) दिया गया।

इस कार्यक्रम में पीठम संयोजक पेरूरी सुरीबाबू, पीठम मीडिया संयोजक अकुला रवि तेजा और केंद्रीय समिति के सदस्य एनटीवी वर्मा और एवीवी सत्यनारायण और अन्य लोग शामिल हुए।

कुम्भ की अद्भुत माया

(कुण्डलिया)

संगम तट पर भक्त का, दिल जब हुआ नवीन।
मौसम वासन्तिक हुआ, माघ हुआ लवलीन।
माघ हुआ लवलीन, कुम्भ की अद्भुत माया।
निर्मल मन के साथ, चमकती है अब काया
सुन लो कहें प्रदीप, यहाँ की राहें जगमग।
करती हैं गुणगान, बताती क्या है संगम।

अवलोकन कर दृश्य का,कहता एक अदीब।
जग को मोहे आज भी,गंग–जमुन तहजीब।
गंग–जमुन तहजीब,तोड़ मजहब का कारा।
मानवता की राह,दिखाकर बने सहारा।
सुन लो कहें प्रदीप, यही है माघ–प्रयोजन।
गंगा तीरे बैठ, रेणु करती अवलोकन।।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

श्री रामाख्या भक्ति धारा पुस्तक का हुआ विमोचन

प्रयागराज। विश्व कीर्तिमानधारी कपिलश प्रकाशन संस्था के यतीश चन्द्र शुक्ल जी व शिप्रा खरे जी द्वारा 09 फरवरी दिन रविवार को महाकुम्भ के पावन अवसर पर कुम्भ क्षेत्र में प्रतिमा दुबे षसिम्पल काव्यधाराष्जी पति पंडित श्रवण दुबे दारागंज प्रयागराज की पुस्तक ष्श्री रामाख्या भक्ति धाराष् का भव्य विमोचन हुआ। गोस्वामी तुलसीदास जी कृत श्री रामचरितमानस को इन्होंने इस तरह संक्षेप में लिखा है,मानो सागर को गागर में भर दिया है । यह पुस्तक खड़ी बोली में बहुत ही सरल भाषा में है , जो कि लगभग एक घंटे में पढ़ी जा सकती है । दोहा ,चौपाई, सोरठा आदि छन्द विधाओं में श्री राम का सार लिखा है , इसके अलावा और भी रचनाएं हैं जो कि भिन्न–भिन्न छन्दों में इस पुस्तक में लिखी गयीं हैं।

यहाँ इनके पिता श्री प्रेम नाथ शुक्ल और माता श्रीमती सुध ा शक्ला तथा परिवार से सभी सदस्य उपस्थित रहे । परिवार के सदस्य नरेश द्विवेदी जी आशा द्विवेदी जी प्रिय बहन स्वीटी के साथ मानस वक्ता आदरणीया गीता त्रिपाठी जी भी उपस्थित रहीं।

उपस्थित साहित्यकारों को सिम्पल काव्यधारा जी ने अंग वस्त्र, पुस्तक व स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया , तत्पश्चात कवि सम्मेलन का कार्यक्रम शुरू हुआ। आदरणीय कैप्टन प्रमोद कुमार पाण्डेय जी श्रीकांत तिवारी कांत,रवि सुत शुक्ल जी,अनूप त्रिपाठी जी,प्रतोष मिश्रा,सुबोध शर्मा शिरकोटी, अजय वर्मा साथी,सर्वेश अग्रहरि,अरुणिमा खरे समेत दूर–दूर से आए हुए साहित्यकार सम्मिलित हुए और पुस्तक की सराहना की। विश्व कीर्तिमान धारी कैप्टन अभय कुमार ष्आनंदष् जिन्होंने राम चरित मानस के सुन्दरकाण्ड को खड़ी बोली में सरल भाषा मत्तगयंद सवैया में लिखा है ये भी उपस्थित रहे। खास बात ये रही कि पुस्तक विमोचन उपरांत लौटते समय गिनीज बुक में नाम दर्ज कराने वाले मूँछ नर्तक आदरणीय राजेन्द्र तिवारी श्दुकान जीश से मुलाकात हुई और उन्हें भी अंग वस्त्र स्मृति चिह्न व पुस्तक देकर सम्मानित किया।

महाकुंभ

आस्था का है कुंभ।
विश्वास का है कुंभ।
देवो के आगमन का,
तीर्थराज का है कुंभ।

साधुओं के आगमन का,
ज्ञानियों के समागम का,
असंख्य भक्त दर्शन का,
पावन अद्भुत है कुंभ।

श्रद्धा के जागरण का,
सम्पन्नता की कामना का,
पाप अधर्म विनाश का,
अलौकिक ये है कुंभ।

कल्पवास के आरम्भ का,
सनातन धर्म उत्थान का,
महाकुंभ की महिमा का,
निराला बखान है कुंभ।

पुण्य–धर्म श्रृंगार का,
दान–व्रत त्योहार का,
जीवन के उद्धार का,
अविस्मरणीय ये है कुंभ।

रेनू मिश्रा 'दीपशिखा' प्रयागराज उत्तर प्रदेश

हिन्दी नाटक 'कथा' का बोंगाईगांव रिफाइनरी में शानदार मंचन

बंगाईगाँव (असम) स श्प्रेम और पानीश को केन्द्र बिन्दु में रखकर लिखी गई नाटक श्कथाश का नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बोंगाईगांव द्वारा इंडियन ऑइल कार्पोरेशन लिमिटेड, बोंगाईगांव रिफाइनरी के आरसीसी सभागार में शनिवार को शानदार मंचन किया गया। इस नाटक के लेखक श्री सुधांशु फिरदौस हैं जिसका मंचन श्द फैक्ट आर्ट एंड कल्चरल सोसाइटी, बेगूसरायश द्वारा किया गया। नाटक का निर्देशन श्री प्रवीण कुमार गुंजन, निदेशक, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, वाराणसी केंद्र ने किया जो मेटा में बेस्ट डायरेक्टर अवार्ड सहित कई सम्मान से सम्मानित हैं। संगीत निर्देशन अमरेश कुमार एवं दीपक कुमार का था, उनका संगीत कर्णप्रिय और नाटक के अनुकूल था। संगीत संयोजन के अन्य सहयोगी थे रविकांत एवं लाल बाबू । प्रकाश परिकल्पना एवं संचालन चिंटू कुमार ने किया। नाटक के कलाकारों में चंदन वत्स, चंदन कुमार, प्रिया कुमारी, वैभव कुमार, देवानंद सिंह,चंदन कश्यप, सौरभ कुमार, कमलेश ओझा, जितेन्द्र कुमार, खुशबू कुमारी और संतोष कुमार राही ने सराहनीय और जानदार अभिनय किया। यह नाटक भारतीय समाज व व्यवस्था के दोहरे चरित्र पर तीखे सवाल करता है। नाटक दल के कलाकारों के द्वारा शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों को काफी प्रभावित किया और बार–बार तालियां बजाने को मजबूर कर दिया।

ज्ञात हो कि असम के तीन जिला बोंगाईगांव, चिरांग और कोकराझार में अवस्थित भारत सरकार के कार्यालयों, बैंकों, बीमा कंपनियों और उपक्रमों में कार्यालय के कामकाज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्व्वयन समिति, बोंगाईगांव का गठन किया गया है जिसकी अध्यक्षता का दायित्व कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख बोंगाईगांव रिफाइनरी को दिया गया है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बोंगाईगांव के तत्वावधान में बोंगाईगांव रिफाइनरी द्वारा इस हिन्दी नाटक का मंचन किया गया। इस नाटक के द्वारा रिफाइनरी के कामकाज में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ–साथ जल और जीवन के संरक्षण जैसे नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम में संस्थान के कार्यकारी निदेशक व बोंगाईगांव रिफाइनरी प्रमुख श्री नयन कुमार बरुआ, मुख्य महाप्रबंधक, (तकनीकी सेवा) श्री मिहिर सिंघल, महाप्रबंधक प्रभारी मानव संसाधन श्री नबज्योति दास, महाप्रबंधक कर्मचारी सेवा मुसुखा बोरो उपस्थित थे। यह कार्यक्रम श्री शरद कुमार, सहायक प्रबंधक (हिंदी एवं सीएसआर) सह सदस्य सचिव नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की देखरेख में संपन्न हुआ। आगंतुक अतिथियों में बंगाईगांव रेल कारखाना के मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री किशन सिंह थे जिन्होंने अन्य सम्मानित अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। रेलवे से आए अन्य लोगों में शामिल थे सहायक कार्मिक अधिकारी श्री अभिमन्यु प्रसाद और वरिष्ठ व्याख्याता श्री विनय कुमार । केंद्रीय विद्यालय, न्यू बंगाईगांव के प्राचार्य के अलावा और भी कई कलाप्रेमी गणमान्य लोग उपस्थित थे। अंत में सभी कलाकारों और नाटक दल के सदस्यों को पारंपरिक गमछा पहना कर सम्मानित किया।

उत्साह और चिंताएं दोनों साथ ले कर बढ़ रहा एआई सिस्टमः डॉ. राजेश

प्रयागराज। हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज के फैशन डिजाइन, कढ़ाई, सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी एवं वाणिज्य विभाग में श्उद्यमिता, स्थिरता और व्यापार विकासश पर चार दिवसीय सम्मेलन का आयोजित किया गया। सम्मेलन में जे.के. इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड फिजिक्स एंड टेक्नोलॉजी इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग के बतौर विशिष्ट वक्ता डॉ. राजेश कुमार ने श्वास्तविक जीवन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोगश विषय पर विचार साझा किया। कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) परिवर्तनकारी

शक्ति के रूप में उभरा है। मशीन लर्निंग एल्गोरिदम की मदद से, एआई सिस्टम इंसानों की तुलना में डेटा–संचालित निर्णय तेजी से ले सकते हैं। वहीं इसके निहितार्थ और अनुप्रयोगों के बारे में उत्साह और चिंताएं दोनों बढ़ रही हैं।

दूसरा व्याख्यान इसी विभाग के डॉ. सुधाकर सिंह ने दिया। कहा की आईसीटी सामाजिक उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण उपकरण हैं। छात्राएं इसे अपना कर न केवल रोजगार देने वाली बन सकती हैं, अपितु देश की प्रगति में भी योगदान देने के साथ ही वित्तीय स्थिरता भी हासिल कर सकेंगी। प्रो. नसरीन बेगम, समन्वयक ने सम्मेलन के उद्घाटन करते हुए कहा कि उद्यमिता से आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, और नवाचार को बढ़ावे के लिए उद्यमिता में जोखिम उठाने की क्षमता और नवप्रवर्तन की योग्यता होना भी जरूरी है। डॉ. जरीना बेगम ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर डॉ. अमिता अग्रवाल, डॉ. शहनाज काजमी, डॉ. शमा रानी, डॉ. मोनिशा गुप्ता, मिस हर्षिता, मिसेज नबिया तथा बी. वोक. , बी. ए. और बी. कॉम. की छात्राएं उपस्थित रहीं।

सुख–दुख को एक समान स्वीकार करे मानव – डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के नवम पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि मनुष्य को सुख–दुखों को एक समान स्वीकार करना चाहिए और ऐसा करने पर ही वह बुद्धिमान व्यक्ति बन सकेगा।

श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम की 97वीं वार्षिक ज्ञान महासभा के दूसरे दिन सोमवार को डॉ. उमर अली शाह ने पिठापुरम में काकीनाडा मुख्य मार्ग पर स्थित नए आश्रम परिसर में श्रद्धालुओं को आशीर्वाद भाषण दिया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन की यात्रा में आने वाली कठिनाइयों और खुशियों में संतुलन बनाना चाहिए तथा उन्हें एक भावना के साथ स्वीकार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मन ही मनुष्य में अच्छाई और बुराई दोनों मौजूद होते हैं। डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि किसी व्यक्ति का जीवित रहना उसके मन की भावनाओं पर निर्भर करता है। इसमें यह बात सामने आई कि अच्छाई, बुराई और गुणों की शक्ति मनुष्य को मन के माध्यम से प्रभावित करती है। ऐसा कहा जाता है कि मनुष्य को राक्षसी जीवन को त्यागकर देवत्व की ओर बढ़ने के लिए आध्यात्मिक दर्शन को समझना होगा। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक दर्शन और दार्शनिक ज्ञान के माध्यम से प्राप्त दार्शनिक शक्ति मन को बेहतर मार्ग की ओर निर्देशित कर सकती है। उन्होंने कहा कि यह तभी संभव होगा जब पिछडी जातियों का उत्थान होगा। साथ ही पीठ द्वारा दी जाने वाली ध्यान, ज्ञान, मंत्र और साधना की तीन पद्धतियों को अपनाने से मन में उठने वाले बुरे विचारों पर नियंत्रण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी को उस स्तर तक पहुंचना चाहिए जहां मानवता ही धर्म हो और मानवता ही देवत्व हो।

इसके उपरांत, डॉ. उमर अली शाह ने सभा में अतिथियों की उपस्थिति में पीठम द्वारा तैयार विभिन्न पुस्तिकाओं और आध्यात्मिक पुस्तकों का अनावरण किया गया।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित निष्काम फाउंडेशन की प्रशासक सुश्री अरुणा ने त्याग विषय से उपस्थित लोगों को अवगत किया। उन्होंने कहा कि वैराग्य का अर्थ शाश्वत और अनित्य की समझ विकसित करना है। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य इच्छारहित अवस्था में पहुंचता है तो वैराग्य विकसित होता है। यह पता चला कि एक व्यक्ति इन तीन चीजों की सीमाओं को समझकर अपनी जीवन यात्रा जारी रख सकता हैरू धन, संबंध और प्रसिद्धि। उन्होंने कहा कि उनके लिए एक ऐसे पीठ में आना बहुत खुशी की बात है जो आध्यात्मिक दर्शन की शिक्षा के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति में मानवीय मूल्यों को विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

पीठम केंद्रीय समिति के सदस्य, एवीवी सत्यनारायण ने श्रोताओं को खुश रहने के गुर बताए। कहा जाता है कि यदि व्यक्ति अपने जीवन में तो हर नया आविष्कार मानव जाति की भलाई के लिए होता है, लेकिन कुछ लोग इसका इस्तेमाल बुराई के लिए भी करते हैं। यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जो भविष्य में अप्रत्याशित चमत्कारों का स्रोत होगी, मनुष्य के लिए अच्छाई विकसित करने का एक उपकरण है।

शाश्वत सुख प्राप्त करना चाहता है तो उसे अच्छे गुरु की शरण में जाकर ज्ञान का अभ्यास करना चाहिए।

आंध्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद इकबाल ने अपने भाषण में कहा कि अमूमन हम धर्म और आध्यात्म को एक समझ लेते हैं, जो सही नहीं है।धर्म और आध्यात्म दो आयाम हैं।

पीठम के एनआरआई सदस्य पेरूरी विजयराम सुब्बाराव ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आध्यात्मिकता विषय पर बात की। उन्होंने कहा कि वैसे

इस अवसर पर पीठाधिपति बंधुओं एवं पंचांगकर्ता बनाला दुर्गा प्रसादाचार्युल ने उमर अली शाह को गजमाला पहनाकर सम्मानित किया ।भवानी पीठाधिपति शिवराम कृष्ण, डॉ. डी. पद्मावती, उमर अलीशा साहित्य समिति सदस्य टी. साई वेंकन्ना बाबू, ए. राधाकृष्ण, जी. रमण, मदर इंडिया इंटरनेशनल के अध्यक्ष पिल्ली तिरुपति राव, कॉर्पोरेट सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षक कासुबाबू, कोंडेपुडी शंकर राव, येग्गिना नागबाबू और अन्य लोगों ने अपने संबोधनों में पीठाधिपति की सराहना की।

संस्कार भारती मंच पर रूद्राष्टकम, लोपामुद्रा कथक, नुक्कड़ नाटक की शानदार प्रस्तुति

प्रयागराज। संस्कार भारती के महेश्वर परिसर मंच पर जौनपुर इकाई की डा. ज्योति दास तथा डॉ.नरेन्द्र पाठक ने भजन एवं अनुष्का अग्रहरि ने भरतनाट्यम शैली में रुद्राष्टकम की प्रस्तुति दी।दिल्ली की कथक गुरु रजनी राव ने अपनी शिष्याओं दीक्षा अग्रवाल तथा लोपमुद्रा के साथ कथक शैली में शिव–शक्ति की प्रस्तुति दी।।उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की ओर से प्रायोजित प्रयागराज के राजेश गुप्ता ने भोजपुरी लोकगीतों से महौल को भक्तिमय बना दिया तथा लखनऊ की सौम्या मिश्रा ने दीक्षा और दीपिका के साथ मिलकर नृत्य नाटिका त्रिवेणी की आकर्षक प्रस्तुत दी। सुधीर कुमार पांडेय के निर्देशन में सेक्टर 9,10 में जागरूकता पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति संस्कार भारती चन्दौली काशी प्रान्त के कलाकार बृजमोहन यादव, बिश्वनाथ शर्मा, कुँवर सिंह, रेशमी, रंगीनी, संगीत, कन्हैया लाल यादव पिछले सात फरवरी से कर रहे हैं। चित्रकला संयोजक एवं मीडिया प्रभारी रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि अखिल भारतीय वरिष्ठ प्रचारक बांकेलालजी एवं क्षेत्रीय संगठन मंत्री विजयकमार ने कलाकारों को अंग वस्त्र से सम्मानित किया। डॉ.योगेंद्र कुमार मिश्र विश्व बंधु ने प्रभावशाली उद्घोषणा की।

सम्पादकीय.....

गढ़ भी नहीं रहा और सेनापति भी नहीं

मराठी की एक कहावत में गढ़ जीतने को अहम तो बताया गया है, लेकिन गढ़ की जंग में अगर सेनापति का बलिदान हो जाता है तो उस जीत को भी बड़ा नहीं माना जाता। इसी मराठी कहावत की तर्ज पर दिल्ली की सियासी जंग को अरविंद केजरीवाल के संदर्भ में देखें तो कह सकते हैं कि गढ़ तो गया ही, सिंह यानी सेनापति भी नहीं रहा। अलग तरह की वैकल्पिक राजनीति और उसके जरिए आम लोगों को खुशहाल और नए तरह के भविष्य का सपना दिखाकर राजनीति में आए अरविंद केजरीवाल के लिए दिल्ली विधानसभा में बहुमत एक तरह से गढ़ यानी किला ही था। अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन अतीत के उदाहरणों को देखें तो साफ लगता है कि केजरीवाल के लिए राह अब आसान नहीं रही। अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के साथ उभरी आम आदमी पार्टी ने अलग तरह की राजनीति देने का वादा किया था। अन्ना के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को लेकर लोगों को कितनी उम्मीदें थीं कि अन्ना का अनशन तो दिल्ली में हो रहा था, लेकिन उसके समर्थन में राजस्थान के रेतीले इलाकों में इक्का–दुक्का घरों के साथ बसी ढाणियों, झारखंड–छत्तीसगढ़ के सुदूर जंगलों, पानीपत से लेकर मोतिहारी, कच्छ लेकर अरूणाचल प्रदेश तक, शायद ही कोई शहर या गांव रहा होगा, जहां मोमबत्तियां न जली हों। ये मोमबत्तियां दरअसल नए भारत की अंजोरियाभरी राह का सपना थीं। आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिए देश और उनकी जिंदगी में ऐसा प्रकाश फैलेगा, जिसमें उनके, उनकी संततियों और उनके देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। इस उम्मीद और सपने को 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली की जनता ने भरपूर साथ दिया। पहली 54.3 प्रतिशत वोट और 67 सीटें तो दूसरी बार 53.57 प्रतिशत वोट और 62 सीटें देना एक तरह से बेहतर और चमकीले सपनीले भविष्य को लेकर जनाकांक्षाओं का उफान था। कभी बंगला और गाड़ी न लेने, वीआईपी कल्चर को न अपनाने के वायदे के साथ राजनीति में आए केजरीवाल धीरे–धीरे इसी जनाकांक्षा को भूलते चले गए। दूसरे कार्यकाल में तो वे तानाशाह की तरह खुद को स्थापित करते गए। झूठ और फरेब की राजनीति को ही उन्होंने अपनी सियासी आदत बना लिया। पंजाब में आम आदमी पार्टी की भारी जीत के बाद जैसे उनका खुद पर नियंत्रण नहीं रहा। आम आदमी पार्टी में सिर्फ उनकी ही चलती थी। लोकतंत्र का मुखौटा भी वहां नहीं रह गया था। वैसे भी आम आदमी पार्टी को पहली आर्थिक मदद देने वाले प्रशांत भूषण,. वैचारिक आधार तैयार करने वाले योगेंद्र यादव और प्रोफेसर आनंद कुमार के साथ ही अपने साथी रहे कुमार विश्वास को पार्टी से पहले ही बाहर कर चुके थे। उनके साथ रहे उनके आंदोलन के दिनों के साथी मनीष सिसोदिया और स्वाति मालीवाल। हालांकि उनके शासन के आखिरी दिनों में जिस तरह स्वाति की मुख्यमंत्री के घर में ही पिटाई हुई, उसने केजरीवाल के स्वभाव की एक तरह से कलई खोल दी। केजरीवाल ने अपने पहले कार्यकाल में बेशक अच्छे कार्य किए। मोहल्ला क्लीनिक का विचार दिया और उसे लागू किया। शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट बढ़ाया, दो सौ यूनिट तक बिजली और एक सीमा तक पानी मुफ्त दिया। महिलाओं को फ्री में बस यात्रा की सहूलियत दी। लेकिन इसके साथ ही दिल्ली में भ्रष्टाचार बढ़ता गया। दो साल पहले के चुनाव में नगर निगम पर भी उनका कब्जा हो गया। इसके पहले दिल्ली की सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम पर अपना नियंत्रण ना होने का बहाना बनाते रहे थे, लेकिन अब वह बहाना भी नहीं रहा। फिर भी दिल्ली गंदी होती चली। दिल्ली की लाइफ लाइन मानी जाने वाली डीटीसी के बेड़े से बसें कम होती चली गईं। केजरीवाल के दौर में हवा–हवाई घोषणाएं खूब हुईं। इसकी वजह से उनसे फायदा लेने वाले लोग भी खुश नहीं थे। डीटीसी के कर्मचारियों, बसों में तैनात मार्शलों आदि को स्थायी नौकरियां देने का वादा कर चुके केजरीवाल उन्हें नौकरियां नहीं दे पाए। शुरू में उनकी बहानेबाजी तो चली,लेकिन बाद में लोगों ने समझना शुरू कर दिया कि वे सिर्फ हवा–हवाई दावे करते हैं और बहानेबाजी के जरिए खुद को बचा ले जाते हैं। 2022 में पंजाब में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने महिलाओं को हजार रूपए महीने देने का वादा किया था, लेकिन अब तक उन्हें यह रकम नहीं दे पाए। पंजाब रोडवेज की बसों में महिलाओं को फ्री सहूलियत देने के चलते पंजाब रोडवेज घाटे में है। इसकी वजह से महीनों तक कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिल रही। सूचना और संचार क्रांति के दौर में ये सारी बातें दिल्ली की जनता तक पहुंचती रहीं। इसका असर यह हुआ कि केजरीवाल से लोगों का भरोसा खत्म हो गया। पिछले दो चुनावों तक केजरीवाल नैरेटिव तैयार करते थे और उनके विपक्षी उसका जवाब देते थे। इस बार भी महिलाओं को 21 सौ रूपए महीने देने और उसके लिए उनके फॉर्म भरवाकर नैरेटिव स्थापित कर दिया था। लेकिन बाद में बीजेपी ने उनकी काट शुरू की। उसने अपना पंद्रह सूत्रीय संकल्प पत्र पेश किया। महिलाओं को 2500 रूपए महीने की सम्मान निधि देने और 200 की बजाय 300 यूनिट बिजली फ्री देने जैसे ऐलान किए। इसका असर वोटरों पर दिखा। इस बीच बीजेपी ने चुनाव प्रबंधन के लिए अपने सारे मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री उतार दिए। मंडल स्तर तक बड़े नेताओं को जिम्मेदारी दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता भी सक्रिय हुए। भारतीय जनता पार्टी ने बुनियादी स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया, जिन्हें मनाने की जरूरत थी, उन्हें मनाया, सबके योग्य जिम्मेदारी दी। सभी कार्यकर्ता सक्रिय हुए। उन्होंने जमीनी स्तर तक काम किया। इसका असर चुनावों में दिखा। केजरीवाल की पार्टी पस्त रही। खुद केजरीवाल भी हारे हैं, उनके विश्वस्त मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और राखी बिड़लान जैसे नाम चुनावी जंग में खेत रहे हैं। बीजेपी की जीत में कुछ हिस्सेदारी कांग्रेस भी है। हालांकि उसे पिछले चुनाव की तुलना में महज दो फीसद ज्यादा वोट मिले हैं। कांग्रेस को भले ही समर्थन नहीं मिला। कुछ एक जगहों को छोड़ दें तो उसके उम्मीदवार दूसरे स्थान पर भी नहीं रहे। लेकिन कांग्रेस ने केजरीवाल के भ्रष्टाचार और उनके बड़बोलेपन के खिलाफ माहौल बनाने में योग जरूर दिया।

आम आदमी के बारे में सोचे सरकार

प्रेम शर्मा

सरकार को यह बॉत अच्छे से समझनी होगी की उसके मानक का पैमाना पॉच फीसदी उच्च वेतनमान पाने वाले कर्मचारी अधिकारी, पॉच प्रतिशत व्यापारी और पॉच प्रतिशत धनी लोगों के आधार पर न होकर उसका पैमाना 75 प्रतिशत आम आदमी होना चाहिए।

निश्चित तौर से राज्य एवं केन्द्र की सरकार आम आदमी को मूलभूत सुविधाएं देने का दावा करती है। यह दावा कितना सच होता है सभी जानते है। आजादी के इतने सालों बाद भी आम आदमी का जीवन बहुत कठिन दौर से गुजर रहा है। सरकारी की मुफ्त खाद्यान्न, मुफ्त आवास जैसी तमाम योजनाओ के बावजूद आम आदमी आज भी प्रति व्यक्ति आय सरकार की न्यूनतम मजदूरी से कम है। यही कारण है कि बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए रिजर्व बैंक कई बार रेपो दरों पर कटौती कर चुका है लेकिन इसका व्यापक असर नही दिख रहा है। केन्द्र से लेकर राज्य सरकारों ने रोजगार देने के नाम पर लाखों लोगों को जो ठेका प्रथा के तहत नौकरी दी है उनका बहुत बुरा हाल है। एक ही तरह के कार्य के लिए सरकार द्वारा अलग अलग तरह के अल्प मानदेय का भुगतान किया जा रहा है। लाखों की संख्या तो ऐसी है जिन्हें सरकार की जानकारी में ठेकेदारो के माध्यम से सरकारी सेवा पर दस हजार रूपये से कम मासिक मानदेय दिया जा रहा है। जबकि केंद्र सरकार घ्द्वारा न्यूनतम मजदूरी दरों में बढ़ोतरी की जा चुकी है। ये नई दरें 1 अक्टूबर, 2024 से लागू हो गई हैं। इन दरों के मुताबिक, अकुशल श्रमिकों को 783 रुपये प्रति दिन, अर्ध–कुशल श्रमिकों को 868 रुपये प्रति दिन, कुशल श्रमिकों को 954 रुपये प्रति दिन, और हथियारबंद निगरानी कर्मियों को 1,035 रुपये प्रति दिन मिलेंगे। इसका अनुपालन नही हो पा रहा है। जब सरकार की नाक के नीचे यह हाल है तो निजी प्रतिष्ठानों, कम्पनियों, निजी सामान्य सेवाओं में आम मजदूरों की हालत क्या होगी इसका अनुमान स्वंय लगाया जा सकता है। सरकार को यह बॉत अच्छे से समझनी होगी की उसके मानक का पैमाना पॉच फीसदी उच्च वेतनमान पाने वाले कर्मचारी अधिकारी, पॉच प्रतिशत व्यापारी और पॉच प्रतिशत धनी लोगों के आधार पर न होकर उसका पैमाना 75 प्रतिशत आम आदमी होना चाहिए। वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी से इन्कार नही किया जा सकता। लेकिन न्यूनतम मजदूरी को लेकर अगर सरकार सख्त कदम नही उठायेगी तो निश्चित तौर बाजार में सुस्ती और मांग की कमी को रोकना बहुत मुश्किल होगा। यही नही देश में पटरी, रेहड़ी आदि के माध्यम से चाय,पान,सब्जी आदि बेचने वालों की संख्या करोड़ों के आसपास होगी उनकी मासिक आय भी न्यूनतम से कम है इसके लिए वे दोषी नही बल्कि सरकार की अनदेखी है। कारण स्पष्ट है कि इन लोगों के सामने कभी पुलिस, कभी नगर निगम तो कभी जिला प्रशासन की अतिक्रमण हटाओं जैसी व्यवस्था के चलते इनका व्यवसाय आए दिन प्रभावित रहता है। बहरहाल कोरोनाकाल के बाद से आम आदमी के जीवन में बढ़ती मुश्किलों के बीच बाजार में छाई मंदी और महंगाई पर लगाम लगाने के प्रयास जारी है। बाजार में छाई सुस्ती और मांग में कमी आने की वजह केवल ऊंची रेपो दर नहीं है। इसका सबसे बड़ा कारण प्रति व्यक्ति आय में कमी है। कोरोना की बंदी के बाद बाजार तेजी से पटरी पर तो लौटा, मगर लोगों की आमदनी में बढ़ोतरी नहीं हो पाई।भारतीय रिजर्व बैंक ने आखिरकार लंबे इंतजार के बाद, रेपो दर में पच्चीस आधार अंक की कटौती की है। करीब पांच वर्ष पहले चालीस आधार अंक की कटौती की गई थी, जिससे ब्याज दर चार फीसद पर पहुंच गई थी। मगर बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के मकसद से तीन वर्ष पहले थोड़े–थोड़े अंतराल पर पांच बार पच्चीस–पच्चीस आधार अंकों की बढ़ोतरी की गई, जिससे ब्याज दर साढ़े छह फीसद पर पहुंच गई। तब से यह दर इसी स्तर पर बनी हुई थी। रेपो दर ऊंची होने का असर बैंकों से लिए गए कर्ज के ब्याज पर पड़ रहा था।केंद्रीय दर में बढ़ोतरी इसलिए की जाती है कि बाजार में पूंजी के प्रवाह को ।त्क् रोका जा सके, मांग घटे, ताकि महंगाई की दर नीचे उतरनी शुरू हो जाए। इसलिए रेपो दर में कटौती से बाजार में पूंजी का प्रवाह कुछ बढ़ सकेगा। इस तरह मांग भी कुछ बढ़ेगी। मगर देखने की बात है कि केवल पच्चीस आधार अंक की कटौती से बाजार में छाई सुस्ती कितनी टूट पाएगी।सबसे चिंता की बात पिछले कुछ समय से विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट बनी हुई थी। जिस विनिर्माण छळे क्षेत्र के बल पर सकल घरेलू उत्पादन ऊंचा बना हुआ था, वह मांग घटने की वजह से तीन फीसद के आसपास सिमट गया है। तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता उत्पाद की बिक्री पर भी बुरा असर देखा जाने लगा है। ऐसे में, रेपो दर में कटौती का कुछ अच्छा असर विनिर्माण क्षेत्र पर पड़ने की उम्मीद है। मगर, बाजार में छाई सुस्ती और मांग में कमी आने की वजह केवल ऊंची रेपो दर नहीं है। इसका सबसे बड़ा कारण प्रति व्यक्ति आय में कमी है। कोरोना की बंदी के बाद बाजार तेजी से पटरी पर तो लौटा, मगर लोगों की आमदनी में बढ़ोतरी नहीं हो पाई। कई मामलों में प्रति व्यक्ति आय घटी है, जबकि उसकी तुलना में महंगाई काफी बढ़ गई है। इसलिए लोगों ने अपने दैनिक उपभोग में कटौती की है। रेपो दर में कटौती से जरूर लोगों की जेब पर पड़ने वाला बोझ कुछ कम होगा, मगर पच्चीस आधार अंक की कटौती इतनी मामूली है कि वह लोगों के उपभोग व्यय के रूप में रूपांतरित हो पाएगी, कहना मुश्किल है। बहरहाल में मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण लगातार बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई ने निम्न और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए जीवन को को बहुत कठिन कर दिया है। वास्तविक विकास तब होगा, जब हर कोई प्रगति करेगा। व्यापार के लिए उचित माहौल होता है, निष्पक्ष कर प्रणाली होती है और श्रमिकों की आय बढ़ती है।

सुनहरा कल वर्तमान की कठिन सीढ़ियों से चढ़ कर ही बनता है

संजीव ठाकुर

हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 135 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि ष्आशाओं पर आकाश टिका हुआ हैष् और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार–चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है ।यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा। केवल हवा में सकारात्मक सोच और मनोबल के दम पर किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उत्तम एवं बड़े सकारात्मक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक बड़ी सोच अथक मेहनत एक सुनियोजित नीति एवं पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिष्क की आवश्यकता होती है। सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्ध वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड–19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी नियंत्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं की सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया। आज हमारे सामने समाज में जो अपने मौजूदा संसाधनों का संपूर्ण दोहन कर सटीक नीति और भविष्य की योजनाएं बनाकर उस पर मेहनत करनी होगी और मेहनत से उपजे आत्मबल तथा संयम के साथ किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संपूर्ण ऊर्जा समेकित रूप से केंद्रित कर उस लक्ष्य की प्राप्ति करनी होगी।

अशिक्षा की जड़ों के नेपथ्य में अंध विस्वास की परतें समाज के नैतिक

आश्चर्य की बात है कि आज के प्रगतिशील वैज्ञानिक युग में विज्ञान और टेक्नोलॉजी से शिक्षित जनमानस भी अंधविश्वास और रूढ़िवादिता का अंधभक्त या अनुयाई हो गया है। मकान में वास्तु दोष दूर करने के लिए अनावश्यक तोड़फोड़ और सुधार के लिए लाखों खर्च किए जाते हैं। यह अंधविश्वास का एक जीता जागता प्रमाण है। वास्तु दोष तथा अंधविश्वास को मानने वाले 90: शिक्षित युवा इस मकड़ जाल में फंसे हुए हैं। अशिक्षा और अज्ञानता ने अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता को भारत में फैलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी हैस यदि अशिक्षित मनुष्य धार्मिक अंधविश्वास को मानता है तो यह बात कुछ थोड़ी देर के लिए समझ में आती है किंतु इस वैज्ञानिक युग में अत्यंत शिक्षित एवं पढ़े–लिखे लोग भी अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे भागने लगे तो यह समाज और देश के लिए दुर्भाग्य की बात हैस यह तो तय है की शिक्षा, ज्ञान अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर के विवेकपूर्ण विचारों को सोचने की शक्ति प्रदान करता है और इसके पश्चात ही मनुष्य वैज्ञानिक आधार पर तर्क रखकर अपनी बात को मानना शुरू करता है। पूर्व में हम मानते थे कि पृथ्वी चपटी है किंतु वैज्ञानिक प्रयोगों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार यह सिद्ध हो गया कि पृथ्वी गोल है अब लोगों ने लॉजिक और वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर यह मान लिया है की पृथ्वी गोल ही है। शहीद भगत सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नौजवान भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के बहुत बड़े बाधक है, वह हमारे रास्ते की बाधा साबित हुए हैं उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पा लेना चाहिए जोकि आजाद विचारों को बर्दाश्त नहीं कर सकती उसे समाप्त हो जाना चाहिए इसी प्रकार अन्य बहुत सारी कमजोरियां भी हैं जिन पर हमें विजय प्राप्त करना होगा ,इस कार्य के लिए सभी समुदाय के क्रांतिकारी उत्साह रखने वाले नई सोच के नौजवानों की आवश्यकता हैस उन्होंने बिल्कुल सही कहा था क्योंकि युवा शक्ति ही देश में नए विचारों की क्रांति ला सकती और अंधविश्वास को समूल नष्ट करने में इनकी ऊर्जा इस कार्य के लिए लगाई जा सकती है,पर दूसरी तरफ शिक्षा का प्रचार प्रसार होना भी नितांत आवश्यक हैस शिक्षा ही ऐसा मूल मंत्र है जिससे अंधविश्वास एवं आडंबर की पोल खोली जा सकती शिक्षा से हमारा तात्पर्य विज्ञान से भी है विज्ञान ने अनेक अंधविश्वास को जन सूचियों में अविश्वास के रूप में में स्थापित किया है और शिक्षा तथा विज्ञान तकनीकी ऐसे मार्ग हैं जिन से चलकर हम न सिर्फ चांद पर पहुंचे हैं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरी दुनिया एक परिवार की तरह एक दूसरे के एकदम करीब आ चुकी है ऐसे में अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता एवं संप्रदायवाद की जगह कहाँ बच जाती है भला ? शिक्षा का स्तर ईतना ऊंचा हो जाना चाहिए की इन अंधविश्वासी बातों और मिथकों का अस्तित्व ही मूल रूप से विस्मृत किया जाना चाहिएस बिल्ली के रास्ता काटने से काम रुक जाता है,किसी की छींक देने से अशुभ संकेत स्थापित होने लगते हैं यदि कौवा बोलता है तो मेहमान आने का संकेत माना जाना इन सब बातों की कोई तार्किक अथवा वैज्ञानिक पृष्ठभूमि नहीं है और जनमानस द्वारा अपने दिमाग का प्रयोग कर ऐसी अतार्किक और वैज्ञानिक बातों में विश्वास करना भी अंधविश्वास को सामाजिक स्तर पर मान्यता प्रदान करता है। यह भी अशिक्षा का एक बहुत बड़ा परिणाम है। शिक्षा विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान समाज में तर्कसंगत बातों का विश्वास करने पर भरोसा दिलाता है और धीरे धीरे अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता से मनुष्य को परे ले जाता है। मूलतः अंधविश्वास को दूर करने के लिए हमें शिक्षा जैसे अस्त्र का इस्तेमाल तीव्र गति से किया जाना चाहिए। अंधविश्वास, तंत्र मंत्र के अधीन होकर पशुओं की बलि देना भी एक प्रकार से अंधविश्वास को बढ़ावा देना ही है, तंत्र मंत्र के विश्वास में आकर मानव न केवल पशुओं की बलि देते बल्कि बच्चों की बलि देने से भी नहीं परहेज करता है। समाज में व्याप्त अंधविश्वास तथा कट्टरपंथ का लाभ समाज के कुछ चालबाज तथा धोखेबाज लोग उठाते हैं और यही लोग इन अंधविश्वासी लोगों को भूत, प्रेत ,राहु केतु,काल सर्प दोष इत्यादि का भय दिखाकर पूजा पाठ तंत्र मंत्र के नाम से हजारों रुपए लूट लेते हैं। यह सिर्फ गांव में ही नहीं हो रहा है यह शहरों में भी बुरी तरह व्याप्त है तंत्र मंत्र तथा भूत प्रेत से छुटकारा भारत के कस्बों तथा गांव में एक व्यवसाय के रूप में विकसित हो गया है जो देश के लिए एक बड़ी विसंगति और विडंबना है। ऐसे तंत्र मंत्र और भविष्य के दर्शन कराने वाले तांत्रिकों का विज्ञापन न सिर्फ बड़े–बड़े अखबारों में बल्कि स्थापित टीवी चौनलों में भी खुल कर दिया जाता है जिससे न सिर्फ अनपढ़, अंधविश्वासी बल्कि शिक्षित लोग भी झांसे में आकर बड़ी धनराशि से हाथ धो बैठते हैं। विकसित यूरोपीय देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, आयरलैंड, फ्रांस, इजरायल तथा अन्य देशों में भी अंधविश्वास व्याप्त है किंतु भारत में अशिक्षा के कारण इसकी जड़ें थोड़ी गहरी व्याप्त हैं। शिक्षा के प्रचार–प्रसार तथा मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से अंधविश्वास को जनमानस तथा देर से दूर किया जा सकता है किंतु मूल रूप से प्राथमिक शिक्षा को एक सशक्त माध्यम रखकर अंधविश्वास एवं धार्मिक कट्टरता के विरोध में बातें रखी जाए तो देश एक अंधविश्वास मुक्त राष्ट्र बन सकता है।

बीजेपी की जीत पर खुश हुईं कंगना रनौत, दिल्ली को दी बधाई

> अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक तस्वीर शेयर कर बधाई दी है। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक तस्वीर को शेयर करते हुए कंगना ने कैप्शन में लिखा, बधाई दिल्ली।

अभिनेत्री और लोकसभा क्षेत्र मंडी की सांसद कंगना रनौत ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली बंपर जीत पर खुशी जताई है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक तस्वीर शेयर कर बधाई दी है। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक तस्वीर को शेयर करते हुए कंगना ने कैप्शन में लिखा, बधाई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर कंगना रनौत से पहले अनुपम खेर, विवेक रंजन अग्निहोत्री ने भी प्रतिक्रिया दी थी। खेर और अग्निहोत्री ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की हार पर प्रतिक्रिया देते हुए उन पर कटाक्ष भी किया। एक्स हैंडल पर केजरीवाल की एक तस्वीर शेयर करते हुए अनुपम खेर ने केजरीवाल की हार का कनेक्शन कश्मीर पंडितों से जोड़ा और उनकी हार की वजह आह से उपजे श्राप को बताया। केजरीवाल की हार पर अभिनेता अनुपम खेर ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब किसी की पीड़ा का मजाक उड़ाया जाता है, तो उसकी आह एक श्राप का रूप धर लेती है। अभिनेता अनुपम खेर ने अरविंद केजरीवाल की एक पुरानी तस्वीर को एक्स हैंडल पर शेयर करते हुए लिखा, "वैसे तो किसी को भी पीड़ा पहुंचाना ठीक नहीं, लेकिन जिनके साथ गहरा अन्याय हुआ हो! उन पर हंसना, उनकी पीड़ा का मजाक उड़ाना, उनकी आत्मा को दुःख पहुंचाना, ये इंसानियत की सभी हदों को पार करना होता है और फिर उस दुखी आत्मा से ना चाहते हुए भी एक 'आह' निकलती है और वही आह आगे जाकर एक 'श्राप' का रूप धारण कर लेती है।" शेयर की गई तस्वीर की ओर इशारा करते हुए अभिनेता ने आगे लिखा, "इस तस्वीर के लोगों के साथ शायद ऐसा ही हुआ है! यह विधि का विधान है! जिस दिन दिल्ली की विधानसभा में इन लोगों ने ठहाके लगाए थे, उस दिन लाखों कश्मीरी पंडितों ने खून के और बेबसी के आंसू बहाए थे।" अनुपम खेर से पहले फिल्म निर्माता–निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने भी एक पोस्ट शेयर किया था, जिस पर वह केजरीवाल की हार पर करारा व्यंग्य करते नजर आए थे। दिल्ली विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की हार पर विवेक रंजन ने व्यंग्य भरा पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने "हर हिसाब यहीं पर" होने की बात कही। विवेक रंजन ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा था, "हर सवाल का जवाब यहीं होगा। हर हिसाब–किताब यहीं होगा।" विवेक रंजन ने दिल्ली विधानसभा की एक पुरानी तस्वीर भी शेयर की, जिसमें अरविंद केजरीवाल खड़े दिखाई दिए। नई दिल्ली विधानसभा सीट से अरविंद केजरीवाल को हार का सामना करना पड़ा है। वह नई दिल्ली सीट से 4089 वोटों से हार चुके हैं। यहां से भाजपा के प्रत्याशी प्रवेश सिंह वर्मा ने जीत हासिल की।

फिल्म 'डैडी' के लिए अनुपम खेर को मिला था पहला राष्ट्रीय पुरस्कार, 36 साल पूरे होने पर यूं मनाया जश्न

एक्टर अनुपम खेर बॉलीवुड इंडस्ट्री के दिग्गज एक्टर्स में से एक हैं, जिन्होंने फिल्म इंडस्ट्री को कई हिट फिल्में दी है। अब हाल ही में उनकी फिल्म डैडी को रिलीज हुए 36 साल पूरे हो गए हैं। इस अवसर पर वह फिल्म डैडी से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा करते दिखे। अनुपम खेर ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा करते हुए फिल्म के 36 साल पूरे होने का जश्न मनाया। उन्होंने फिल्म डैडी का पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, आज मेरी सबसे प्रतिष्ठित फिल्मों में से एक 'डैडी' के 36 साल पूरे हो गए हैं। यह पूजा भट्ट की पहली फिल्म थी और मुझे एक शराबी पिता की भूमिका निभाने के लिए अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार मिला, जो अपनी बेटी के लिए खुद को सुधारता है! आपके प्यार और प्रतिभा के लिए महेश भट्ट साहब का शुक्रिया! और मेरे दोस्त और गजल उस्ताद तलत अजीज ने इस गाने को समय से परे बना दिया! जय हो!"बता दें, महेश भट्ट निर्देशित फिल्म डैडी 08 फरवरी 1989 को रिलीज हुई थी। फिल्म डैडी में अनुपम खेर और पूजा भट्ट ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

9 साल बाद फिर सिनेमाघरों में रिलीज हुई सनम तेरी कसम, दो दिनों में कमा डाले इतने करोड़

सनम तेरी कसम फिल्म ने सिनेमाघरों में अपनी शानदार वापसी की है, और यह दर्शकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल कर रही है। 9 साल पहले इस रोमांटिक ड्रामा की कोई भविष्यवाणी नहीं कर सकता था कि यह एक दिन बॉलीवुड की प्रसिद्ध फिल्मों में शुमार होगी। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं हरशवर्धन राणे और पाकिस्तानी एक्ट्रेस मवरा होकान, जो कि अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म में अभिनय कर रही थीं। फिल्म की वापसी ने सिनेमाघरों में भारी भीड़ को आकर्षित किया और शानदार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है। फिल्म का निर्देशन राधिका राव और विनय सापरु ने किया था। इस फिल्म ने शुक्रवार को अपनी वापसी के साथ आर 4 करोड़ की कमाई की थी। फिर शनिवार को इसने Rs 5 करोड़ और कमाए, जिससे कुल कमाई दो दिन में आरएस 9 करोड़ तक पहुंच गई है। यह आंकड़ा फिल्म की मूल रिलीज के मुकाबले करीब आधे के बराबर है, और इसे अब तक के सबसे बड़े बॉलीवुड री–रिलीज में से एक माना जा रहा है। फिलहाल यह फिल्म सनम तेरी कसम और लवयापा जैसी फिल्मों के साथ सिनेमाघरों में प्रतिस्पर्धा कर रही है। मूल रूप से 2016 में रिलीज होने के बाद सनम तेरी कसम ने अच्छे आंकड़े नहीं जुटाए थे, लेकिन इसकी री–रिलीज ने अब इतिहास बदल दिया है। जब फिल्म पहली बार रिलीज हुई थी, तो इसने अपने पूरे रन में Rs 8 करोड़ कमाए थे। अब इसकी री–रिलीज के केवल दो दिनों में ही इसने उस आंकड़े को पार कर लिया है। पहले दिन करीब 3 लाख टिकटों की बिक्री के कारण इसे शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म की री–रिलीज 7 फरवरी को हुई थी और इसने शुक्रवार को अन्य री–रिलीज के मुकाबले सबसे अधिक कमाई की। पहले जिस फिल्म को लेकर कोई खास उम्मीदें नहीं थीं, वह अब सिनेमाघरों में एक बड़ी हिट बन चुकी है।

रणबीर कपूर ने पूरी की विजय देवरकोंडा स्टारर 'वीडी12' के लिए विशेष वॉयस–ओवर की रिकॉर्डिंग

अभिनेता रणबीर कपूर ने तेलुगू स्टार विजय देवरकोंडा की अपकमिंग फिल्म 'वीडी12' के लिए विशेष वॉयस–ओवर की रिकॉर्डिंग को पूरा कर लिया है। आखिरी बार सफल फिल्म 'एनिमल' में नजर आए अभिनेता 'वीडी12' को लेकर उत्सुक हैं। एक सूत्र के अनुसार बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर ने 'वीडी 12' के टीजर के लिए वॉयस ओवर दिया है, जिससे इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। इंडस्ट्री के एक सूत्र के अनुसार, विजय देवरकोंडा इस साल रिलीज होने वाली 'वीडी12' के लिए कमर कस रहे हैं। लेकिन सबसे रोमांचक बात यह है कि रणबीर कपूर ने अपकमिंग फिल्म के टीजर के लिए आवाज दी है, जिसे शुक्रवार को मुंबई में रिकॉर्ड किया गया था।ष विजय देवरकोंडा की फिल्म 'वीडी12' जल्द ही सिनेमाघरों में आने वाली है। 12 फरवरी को फिल्म का टीजर रिलीज किया जाएगा। लंबे समय के बाद विजय एक्शन शैली में वापसी करने के लिए तैयार हैं, उनकी पिछली फिल्म श्अर्जुन रेड्डीश थी। इससे पहले रणबीर ने फैशन और लाइफस्टाइल के क्षेत्र में कदम रखा था। अभिनेता ने अपने जन्मदिन पर अपने लाइफस्टाइल ब्रांड एआरकेएस को लॉन्च किया था। निर्माता–निर्देशक करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में रणबीर की एक तस्वीर शेयर करते हुए रणबीर की ओर से अपने फॉलोअर्स को अभिनेता की नई शुरुआत के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने तस्वीर पर लिखा है, आपने फिल्म स्टार का जादू और अभिनेता की उत्कृष्टता देखी है... अब रणबीर की जीवनशैली की खूबसूरत दुनिया में प्रवेश करें... देखते रहिए।" रणबीर की मां नीतू कपूर ने भी अपने बेटे को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके लाइफस्टाइल ब्रांड के बारे में बताया था। एनिमल से पहले रणबीर तू झूठी मैं मक्कार में श्रद्धा कपूर के साथ नजर आए थे। अभिनेता जल्द ही संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी लव एंड वॉर में अपनी पत्नी और अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगे। फिल्म में उनके साथ विक्की कौशल भी दिखाई देंगे।

अमृता सिंह ने परिवार की खातिर छोड़ दी थी फिल्मी दुनिया, सैफ से शादी कर बॉलीवुड में मचा दिया था तहलका

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री अमृता सिंह आज अपने जीवन के 67 बरस पूरे कर चुकी हैं। एक जमाने में वह इंडस्ट्री पर राज करती थीं। उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग के दम पर दर्शकों का दिल जीत लिया था। दर्शकों ने अमृता सिंह को बहुत प्यार दिया। अमृता सिंह का पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से भी बेहद खास रिश्ता है। दरअसल, उनका जन्म 9 फरवरी 1958 को पाकिस्तान में हुआ था। अमृता के पिता का नाम सरदार सविंदर सिंह था और उनकी मां का नाम रुखसाना सुल्ताना था। अमृता एक रॉयल फैमिली से आती हैं। वे देश के मशहूर लेखक खुशवंत सिंह की भतीजी हैं। साल 1985 में आई फिल्म श्बेताबश से अमृता सिंह ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने बॉलीवुड में अपने अभिनय का सिक्का पहली फिल्म से ही जमा लिया था। यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई। इसके बाद अमृता को एक के बाद एक कई फिल्मों के ऑफर आने लगे। 80 के दशक में अमृता फिल्म निर्माताओं की पसंदीदा हीरोइनों में से एक बन चुकी थीं। इस दशक में कई फिल्मों में अमृता ने अपने अभिनय का दम दिखाया। बॉलीवुड को इन्होंने कई सुपरहिट फिल्में दीं, जिनमें श्मर्दश, श्खुदगर्जश और श्साहेबश जैसी फिल्में शामिल हैं। उस दौर में जब अमृता सिंह अपने करियर में सफलता की सीढ़ियां चढ़ रही थीं, तभी उनकी मुलाकात पटौती खानदान के नवाब सैफ अली खान से हुई। उस दौरान सैफ अली खान एक स्ट्रगलिंग एक्टर थे और अमृता उस दौर की फेमस हीरोइन बन चुकी थीं। दोनों की मुलाकात साल 1992 में राहुल रवैल की फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई थी। बताया जाता है कि राहुल अमृता के अच्छे दोस्त थे, इसलिए उन्होंने सैफ के साथ उन्हें फोटोशूट कराने के लिए कहा। फोटोशूट के दौरान सैफ ने अमृता के कंधे पर हाथ रखा, तभी अमृता ने सैफ को पहली बार अच्छी तरह से निहारा था। यही वह घड़ी थी, जब सैफ अली खान अभिनेत्री अमृता के दीवाने हो गए और उन पर अपना दिल हार बैठे। जल्द ही सैफ और अमृता की दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों ने साल 1991 में शादी रचा ली। शादी के समय सैफ महज 21 साल के थे और अमृता 33 साल की थीं। अमृता सिंह के छोटी उम्र वाले लड़के के साथ शादी की खबर ने इंडस्ट्री में तहलका मचा दिया था। अमृता ने शादी से पहले अपना धर्म भी बदल दिया था और अपने परिवार की तरफ अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए उन्होंने 1993 में बॉलीवुड इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया।

रोज सुबह पी लो ये जूस, बीमारियां रहेंगी दूर और चेहरे पर आएगा निखार

सर्दियों के मौसम में गाजर और चुकंदर का सेवन बहुत लाभदायक माना जाता है। अधिकतर लोग इसे सलाद, सूप या सब्जी के रूप में खाते हैं, लेकिन गाजर और चुकंदर का जूस पीना भी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह जूस पोषक तत्वों से भरपूर होता है और कई बीमारियों से बचाव करने में सहायक होता है। लेकिन इसका सेवन सही समय और सही तरीके से करना जरूरी है। आइए जानते हैं कि इसे कब और कैसे पीना चाहिए और इसके क्या–क्या फायदे हैं।

गाजर और चुकंदर का जूस पीने के फायदे

इम्यूनिटी को बढ़ाए

गाजर और चुकंदर के जूस में विटामिन–सी और एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसका नियमित सेवन सर्दी–खांसी और अन्य संक्रमण से बचाने में सहायक हो सकता है।

पाचन तंत्र को करे मजबूत

इस जूस में भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करता है। यह कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं को कम करने में सहायक हो सकता है।

वजन घटाने में मददगार

अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो गाजर और चुकंदर का जूस आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जिससे पेट अधिक समय तक भरा रहता है और भूख कम लगती है।

हृदय को रखे स्वस्थ

यह जूस दिल की सेहत के लिए भी लाभदायक है। इसमें मौजूद नाइट्रेट्स ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और हृदय संबंधी बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं।

शरीर को करे डिटॉक्स

गाजर और चुकंदर का जूस शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। यह विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालकर लिवर की कार्यक्षमता को बेहतर बनाता है।

गाजर और चुकंदर का जूस पीने का सही समय

वैसे तो इस जूस को दिन के किसी भी समय पिया जा सकता है, लेकिन सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से अधिक लाभ मिलता है। सुबह इसका सेवन करने से शरीर को तुरंत पोषण मिलता है और यह दिनभर ऊर्जा बनाए रखने में सहायक होता है।

गाजर और चुकंदर का जूस कितने दिन तक पीना चाहिए?

अगर आप पूरी तरह स्वस्थ हैं तो इस जूस का सेवन रोजाना किया जा सकता है। लेकिन यदि आपको डायबिटीज, किडनी की समस्या या कोई अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानी है, तो डॉक्टर से सलाह लेने के बाद ही इसका सेवन करें। अधिक मात्रा में इसका सेवन करने से कुछ लोगों को नुकसान भी हो सकता है।

गाजर और चुकंदर का जूस बनाने का तरीका

गाजर और चुकंदर का जूस बनाने के लिए आप निम्नलिखित विधि अपना सकते हैंरू

सामग्री

1 मध्यम आकार की गाजर

1 छोटा चुकंदर

आधा कप पानी (वैकल्पिक)

नींबू का रस (स्वाद अनुसार)

काला नमक (स्वाद अनुसार)

बनाने की विधि

गाजर और चुकंदर को अच्छी तरह धोकर छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें। इन्हें मिक्सी में डालकर अच्छी तरह ब्लेंड कर लें। जरूरत के अनुसार थोड़ा पानी मिलाकर फिर से ब्लेंड करें। इस जूस को छानकर एक गिलास में निकाल लें। इसमें थोड़ा नींबू का रस और काला नमक मिलाएं। ताजा जूस तुरंत पिएं, जिससे इसके पोषक तत्व नष्ट न हों।

सावधानियां: अत्यधिक मात्रा में सेवन करने से शरीर में शुगर का स्तर बढ़ सकता है। कुछ लोगों को चुकंदर के जूस से एलर्जी हो सकती है, इसलिए पहली बार सेवन करने से पहले कम मात्रा में पिएं। यदि आप किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रसित हैं, तो इस जूस का सेवन करने से पहले डॉक्टर से परामर्श लें।

गाजर और चुकंदर का जूस सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है, लेकिन इसे सही मात्रा और सही समय पर पीना जरूरी है। रोजाना सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है, पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और हृदय स्वस्थ रहता है। हालांकि, किसी भी समस्या से बचने के लिए सीमित मात्रा में इसका सेवन करें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह लें।

लिविंग रूम के लिए कालीन खरीदते समय इन बातों का रखें खास ख्याल, मेहमान भी देखकर रह जाएंगे दंग

हिंदू धर्म में कई ऐसे त्योहार होते हैं, जिनकी तैयारी महीनों पहले से शुरू हो जाती है। इस दौरान घर की साफ–सफाई से लेकर सजावट और सेलिब्रेशन हर एक छोटी–छोटी चीज पर ध्यान दिया जाता है। त्योहार आदि के मौके पर सेलिब्रेशन पर काफी ज्यादा ध्यान दिया जाता है।

कई लोग घर सजाने के लिए फूलों से सजावट करते हैं और अलग–अलग फूलों की माला बनाकर गेट पर लगाते हैं। तो वहीं कई लोग लाइट्स का इस्तेमाल घर को सजाने के लिए करते हैं। जिससे कि घर खूबसूरत दिख सके। वहीं आप चाहें तो आप रंगोली से अपने घर को सजा सकते हैं। लेकिन अगर आपके पास इन सारे कामों के लिए वक्त नहीं है, तो आप कुशन कवर, बेडशीट्स और कालीन से भी अपने घर को खास लुक दे सकते हैं। यदि आपका घर बड़ा है, तो लिविंग रूम को खूबसूरत बनाने के लिए कालीन का इस्तेमाल किया जा सकता है। आजकल मार्केट में आपको कई खूबसूरत डिजाइन्स में कालीन मिल जाएगी। ऐसे में आप भी कालीन खरीदने वाले हैं, तो इस दौरान कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

फैब्रिक का रखें ध्यान

मार्केट में आपको कई तरह की कालीन मिल जाएंगी। लेकिन सही कालीन चुनना थोड़ा मुश्किल काम हो सकता है। इसलिए कालीन खरीदने के दौरान इसकी क्वालिटी का खास ध्यान रखें। क्योंकि अगर कालीन का कपड़ा हल्का होगा, तो इसके जल्द खराब होने के चांसेज होते हैं। वहीं अगर आप कॉटन की कालीन खरीदने की सोच रहे हैं, तो ध्यान दें यह दूसरी कालीन से थोड़ा पतला होना चाहिए। बताया जाता है कि कालीन दरी की तरह बुनी जाती है। फिर इसके ऊपर से कॉटन का कवर लगाया जाता है। लेकिन बेहतर होगा कि आप ऊन की कालीन को खरीदें। यह इस्तेमाल में ज्यादा अच्छी साबित होती हैं।

इंटीरियर के हिसाब से खरीदें कालीन

बाजार में आपको कई डिजाइन के कालीन मिल जाएंगे। लेकिन घर के इंटीरियर के हिसाब से कालीन का सेलेक्शन करना बेहद जरूरी है। क्योंकि ऐसा नहीं करने पर आपके पैसे वेस्ट हो सकते हैं। इसलिए लिविंग रूम के कलर या लुक के अकॉर्डिंग ही कालीन लेना चाहिए। लिविंग रूम में मौजूद फर्नीचर, कुशन, सोफा आदि के साथ कालीन का रंग और डिजाइन मैच करना चाहिए। या फिर आप कंट्रास्ट कलर से भी कालीन सेलेक्ट कर सकते हैं। लिविंग रूम को मनचाहा और बेहतरीन लुक देने के लिए आप अलग–अलग कॉम्बिनेशन के साथ एक्सपेरिमेंट करके देख सकते हैं।

कालीन की डिजाइन

कालीन की डिजाइन का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि कालीन साल में एक बार खरीदी जाती है। ऐसे में आप लिविंग रूम के लिए अफगानी या लखनवी डिजाइन की कालीन ले सकते हैं। वहीं अगर आपको बारीक काम वाली डिजाइन लेना चाहते हैं, तो यह भी खरीद सकते हैं। बता दें कि हैंडमेट कालीन की डिजाइन बेहद बेस्ट होती हैं, हांलाकि यह बेहद महंगी होती है, यह सबसे बजट में आसानी से फिट नहीं होती है। अगर आपके लिविंग रूम में हल्का रंग है, तो इसमें डार्क रंग की कालीन अच्छी लगेगी। वहीं अगर आपके रूम की फर्श प्लेन नहीं है, तो आप फंदे वाले या रोएंदार कारपेट का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके अलावा कालीन खरीदने के दौरान लिविंग रुम के एरिया का ध्यान रखना काफी जरूरी होता है। क्योंकि अगर आप काफी बड़ी या छोटी कालीन लेती हैं, तो यह फर्श पर अच्छी नहीं लगेगी। इसलिए कालीन की डिजाइन के साथ ही इसके साइज का भी ध्यान रखना चाहिए।

यूटीआई इंफेक्शन से लेकर एंग्जायटी दूर करेगी गुलाब की पंखुड़ियां, ये भी फायदे जान लें

गुलाब का फूल ही नहीं इसकी पंखुड़ियां भी बेहद फायदेमंद होती हैं। त्वचा से लेकर स्वास्थ्य के लिए यह काफी लाभकारी मानी जाती हैं। किसी भी तरह के संक्रमण से बचाने के अलावा यह कब्ज, यूटीआई जैसी समस्याओं में भी यह बेहद फायदेमंद मानी जाती हैं। इसमें पॉलीफेनोल्स और कुछ ऐसे एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो शरीर को कोशिकाओं के कारण होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह पॉलीफेनोल्स हृदय रोग, डायबिटीज और मोटापे से जूझ रहे लोगों के लिए भी काफी फायदेमंद होते हैं। गुलाब की पंखुड़ियों के अलावा गुलाब में विटामिन–सी, विटामिन–ए, सोडियम, कैल्शियम, आयरन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, कैलोरी, शुगर आदि मौजूद होती है। आज रोज डे मनाया जा रहा है ऐसे में इस मौके पर आपको बताते हैं गुलाब की पंखुड़ियों से होने वाले फायदे।

एंग्जायटी होगी दूर

गुलाब की पंखुड़ियों में एंग्जायटी कम करने वाले गुण पाए जाते हैं। इसके अलावा इसमें कुछ ऐसे गुण भी होते हैं जो स्ट्रेस दूर करते हैं। गुलाब की पंखुड़ियां आपका मूड सही करके स्ट्रेस दूर करने में मदद करती है। इसी वजह से ज्यादातर लोग रात में गुलकंद का सेवन करते हैं जो कि गुलाब की पंखुड़ियों से बना होता है। यह स्ट्रेस लेवल कम करने में मदद करता है।

यूटीआई इंफेक्शन में मददगार

यूटीआई इंफेक्शन में गुलाब की पंखुड़ियां बेहद लाभकारी मानी जाती हैं। यह एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों से भरपूर होती है जो यूटीआई इंफेक्शन का खतरा कम करने में मदद करती है। इसके अलावा यह वजाइनल पीएस को बैलेंस करने में भी फायदेमंद मानी जाती हैं।

अनिद्रा की समस्या होगी दूर

जो लोग रात में अच्छे से सो नहीं पाते या सारी रात करवट बदलते रहते हैं ऐसे लोगों को इनसोम्निया हो जाता है। इनसोम्निया यानी अनिद्रा की समस्या। आपको बता दें कि गुलाब की पंखुड़ियों में कुछ ऐसे गुण मौजूद होते हैं जो अनिद्रा दूर करने में मदद करते हैं। ऐसे में यदि आपको भी अनिद्रा की समस्या रहती है तो आप गुलाब की पंखुड़ियों का सेवन कर सकते हैं।

डिप्रेशन होगा दूर

डिप्रेशन से जूझ रहे व्यक्ति की सोचने और समझने की क्षमता पर असर पड़ता है। ऐसे में आपको बता दें कि गुलाब की पंखुड़ियों में एंटीडिप्रेसेंट गुण पाए जाते हैं जो न सिर्फ तनाव दूर करते हैं बल्कि डिप्रेशन भी खत्म करते हैं। गुलाब की पंखुड़ियों का सेवन करने से सोचने समझने की क्षमता बढ़ती है।

कब्ज की समस्या होगी दूर

गुलाब की पंखुड़ियां कब्ज की समस्या में भी बेहद उपयोगी मानी जाती है। इनके अंदर फाइबर पाया जाता है जो समस्या से राहत दिलवाने में मदद करता है। पंखुड़ियों का सेवन करने से पाचन क्रिया भी अच्छी होती है।

इंफेक्शन से होगा बचाव

इन पंखुड़ियों में विटामिन सी पाया जाता है जो इम्यून सिस्टम के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा विटामिन–सी का इस्तेमाल करने से किसी भी तरह की इंफेक्शन भी दूर की जा सकती है। यदि शरीर में किसी तरह का इंफेक्शन हुआ है तो आप गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

जम्मू–कश्मीर की इस मनमोहक जगह पर उठाएं ट्रेकिंग का आनंद, देखने को मिलेंगे कई हसीन नजारे

सर्दियों के मौसम में हिल स्टेशन घूमना लोगों को काफी ज्यादा पसंद होता है। हिल स्टेशन के खूबसूरत नजारे और ठंडी हवाओं का अलग ही एहसास होता है। वैसे तो दिल्ली से उत्तराखंड और हिमाचल पहुंचना काफी ज्यादा आसान होता है। ऐसे में आप चाहें तो पार्टनर संग कश्मीर को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। बता दें कि हिमालय की गोद में बसे जम्मू–कश्मीर को भारत का जन्नत भी माना जाता है। यहां की हसीन वादियों के आप मुरीद हो जाएंगे। जम्मू–कश्मीर में बसी हर एक जगह की अपनी खासियत होती है। जिसको जीवन में एक बार जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। हांलाकि जम्मू–कश्मीर पहुंचना इतना भी आसान नहीं है। लेकिन अगर आप जम्मू–कश्मीर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो एक बार आपको पहलगाम भी जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। बता दें कि पहलगाम में घास के मैदान, झील–झरने, बर्फ से ढके पहाड़ और दूध की तरह बहती नदी यहां की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। वहीं बर्फबारी के दौरान इस जगह की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। बर्फबारी का लुत्फ उठाने के लिए पहलगाम में पर्यटकों की भारी भीड़ होती है।

बेताब वैली

पहलगाम में बेताब वैली को हजन वैली के नाम से भी जाना जाता है। यह पहलगाम से करीब 15 किमी की दूरी पर स्थित है। इस स्थान पर कई फिल्मों को भी शूट किया जा चुका है। बताया जाता है कि साल 1983 में यहां पर फिल्म शबेताबश की शूटिंग की गई थी। यह जगह इतनी ज्यादा पॉपुलर हुई कि फिल्म का नाम इस जगह के नाम पर रख दिया गया। ऐसे में आपको यह जगह जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। इसके अलावा आप यहां पर ममलेश्वर मंदिर, शेषनाग झील और अरु वैली आदि जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

चंदनवाड़ी

पहलगाम के बाहरी छोर पर स्थित चंदनवाड़ी वैली काफी ज्यादा मनमोहक है। पहलगाम से चंदनवाड़ी वैली की दूरी 15 किमी है। चंदनवाड़ी वैली में झील–झरने और मनमोहक बर्फ से ढके पहाड़ आपका मन मोह लेंगे। काफी कपल्स यहां पर अपना हनीमून भी प्लान करते हैं। पूरे जम्मू कश्मीर में चंदनवाड़ी की खूबसूरती तो फेमस है। साथ ही इसका अपना धार्मिक महत्व भी है। इस स्थान से अमरनाथ की यात्रा शुरू होती है। इसलिए सैलानियों के लिए यह जगह बेहद खास हो जाती है।

ममलेश्वर मंदिर

पहलगाम जाने के दौरान ममलेश्वर मंदिर जाना न भूलें। वैसे तो यहां पर आपको कई धार्मिक स्थल मिल जाएंगे। ममलेश्वर मंदिर 12वीं शताब्दी में बनाया गया था। इस मंदिर में भगवान शिव की पूजा होती है। कोलाहोई ग्लेशियर से निकलने वाली एक जलधारा के पास यह मंदिर स्थित है। जो ममल गांव में स्थित है। पहलगाम से ममलेश्वर मंदिर की दूरी 1 किमी है।

अरु वैली

अगर आप ट्रेकिंग के शौकीन हैं, तो आपको अरु वैली जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। यहां पर आपको रुकने के लिए कई ऑप्शन मिल जाएंगे। ट्रेकिंग के दौरान जब आप पहाड़ों के बीच से निकलेंगे तो आपको कई खूबसूरत नजारे देखने को मिलेंगे। इसके अलावा आप यहां पर पिकनिक मना सकते हैं। साथ ही पार्टनर के साथ सुकून के कुछ पल भी बिता सकते हैं।

बर्फ महोत्सव

अगर आपको भी बर्फ और ट्रेकिंग बेहद पसंद है। तो हर साल यहां पर होने वाले महोत्सव में भी आप हिस्सा ले सकते हैं। यहां पर हर साल बर्फ महोत्सन आयोजित किया जाता है। इस दौरान आप यहां पर घुड़सवारी, स्कीइंग और स्पेलिंग जैसे एडवेंचर कर सकते हैं।

पहलगाम कैसे पहुंचें

पहलगाम पहुंचने के लिए आपको सबसे पहले श्रीनगर जाना होगा। श्रीनगर से पहलगाम आप आराम से पहुंच सकते हैं। श्रीनगर आने के लिए आप बस, ट्रेन या फिर फ्लाइट से यात्रा कर सकते हैं। वहीं श्रीनगर पहुंचने के बाद आप टैक्सी से पहलगाम जा सकते हैं। श्रीनगर से पहलगाम की दूरी करीब 100 किमी के आसपास है।

संक्षिप्त

भारत में सोने की तस्करी में बड़ी गिरावट, CBIC चेयरमैन बोले- इस साल अब तक 4800 किलो+ सोना जब्त

सरकार की ओर से जुलाई, 2024 में बहुमूल्य धातु पर आयात शुल्क में कटौती के बाद से सोने की तस्करी में उल्लेखनीय कमी आई है। अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने यह बात कही है। हालांकि, उन्होंने जब्त किए गए सोने की मात्रा या मूल्य का खुलासा नहीं किया।ध्अग्रवाल ने कहा, अधिकारी किसी भी मार्ग से मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात, सीमाओं और देश में आने वाले वाणिज्यिक कार्गो पर निगरानी रख रहे हैं। सरकार ने जुलाई, 2024 में सोने पर आयात शुल्क को 15 फीसदी से घटाकर छह फीसदी कर दिया था।

अफ्रीकी–ताशकंद हवाईअड्डे भी तस्करी के प्रमुख स्थान

भारत में हवाई मार्ग के माध्यम से सोने की तस्करी एक प्रमुख माध्यम है। पश्चिम एशियाई और दक्षिण पूर्व एशियाई देश पारंपरिक रूप से इसके मुख्य उद्गम स्थल रहे हैं। हाल ही में नैरोबी और अदीस अबाबा जैसे अफ्रीकी हवाई अड्डे के साथ ताशकंद जैसे एयरपोर्ट भी तस्करी के लिए प्रमुख स्थान बनकर उभरे हैं।

2023–24 में 4,869 किलोग्राम सोना जब्त

सीमा शुल्क और राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने चालू वित्त वर्ष के अप्रैल–जून में विभिन्न हवाई अड्डों पर 544 करोड़ रुपये मूल्य का 847 किलोग्राम सोना जब्त किया है। 2023–24 में डीआरआई ने 1,319 किलो सोना जब्त किया था। यह इस अवधि में सीमा शुल्क अधिकारियों सहित सीबीआईसी की ओर से जब्त 4,869.6 किलोग्राम सोने का हिस्सा है।

भारत अवैध सोना आयात का प्रमुख गंतव्य

दिसंबर में जारी डीआरआई रिपोर्ट के अनुसार, भारत अवैध सोने के आयात का प्रमुख गंतव्य बन गया है। इसमें सोना और चांदी संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों से आते हैं, जहां ये धातुएं कम कीमतों पर उपलब्ध हैं।

शेयर बाजारः फरवरी के पहले सप्ताह में 7,342 करोड़ की निकासी

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजारों से निकासी का सिलसिला जारी है। अमेरिका के टैरिफ लगाने से वैश्विक व्यापार को लेकर जो तनाव बना है, उसके चलते विदेशी निवेशकों ने फरवरी के पहले सप्ताह में घरेलू शेयर बाजारों से 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। इससे पहले जनवरी में एफपीआई ने 78,027 करोड़ की निकासी की थी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर, 2024 में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 15,446 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

● विशेषज्ञों का मानना है कि आगे बाजार की धारणा वैश्विक वृहद आर्थिक घटनाक्रमों, घरेलू नीतिगत उपायों और मुद्रा के उतार–चढ़ाव से तय होगी।

● जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के वीके विजयकुमार ने कहा, डॉलर में मजबूती और अमेरिकी बॉन्ड पर उच्च रिटर्न एफपीआई को बिकवाली के लिए मजबूर कर रहा है।

एफआईआई के पास 800 अरब डॉलर के भारतीय शेयर, रिपोर्ट ने बताया- लगातार हो रही बिकवाली का बाजार पर असर?

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का भारत में लगभग 800 अरब डॉलर का निवेश अब भी बरकरार है। हालांकि, अगर उनकी बिकवाली जारी रहती है तो यह भारतीय बाजार के लिए जोखिम का कारण बन सकता है। यूरोपीय इक्विटी रिसर्च फर्म बीएनपी परिबास एक्सने ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत घरेलू निवेश के कारण एफआईआई प्रवाह पर भारत की निर्भरता कम हो गई है, लेकिन विदेशी निवेशक अब भी बाजार में एक महत्वपूर्ण हिस्सा रखते हैं। उनकी लगातार बिक्री से बाजार की स्थिरता प्रभावित हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है, ष्हमारे विचार में मजबूत घरेलू प्रवाह के कारण एफआईआई प्रवाह पर भारत की निर्भरता कम हो गई है, एफआईआई का भारतीय इक्विटी में लगभग 800 बिलियन अमरीकी डॉलर का निवेश है और उनकी उनकी निरंतर बिक्री बाजार के लिए जोखिम बनी हुई है। आंकड़ों के अनुसार, भारतीय इक्विटी में एफआईआई की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2014–20 की अवधि के दौरान 20 प्रतिशत के शिखर से घटकर 2024 में 16 प्रतिशत हो गई है। साथ ही, रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि घरेलू म्यूचुअल फंड (ड्ढ) ने भारतीय इक्विटी में अपने निवेश को बढ़ा दिया है, यह 10 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि, उनकी होल्डिंग अब भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (थ्च्) की तुलना में कम है। यह दर्शाता है कि घरेलू निवेशक बाजार में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन एफआईआई प्रभावशाली बने हुए हैं। एफआईआई के लिए प्रमुख चिंताओं में एक अमेरिका में बढ़ती बॉन्ड यील्ड है। उच्च यील्ड अमेरिकी परिसंपत्तियों को अधिक आकर्षक बनाती है, जिससे भारत जैसे उभरते बाजारों की अपील कम हो जाती है। इसके बावजूद, भारत को पिछले 10 वर्षों में से सात में शुद्ध एफआईआई प्रवाह प्राप्त हुआ है, जो किसी भी अन्य उभरते बाजार की तुलना में अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के महीनों में भारतीय इक्विटी को कई कारणों से दबाव का सामना करना पड़ा। चीन का आर्थिक प्रोत्साहन, अमेरिका में बढ़ती यील्ड और भारत में उच्च मूल्यांकन शामिल हैं। इन कारकों ने बाजार को कमजोर किया है। एफआईआई के बहिर्वाह के बावजूद, भारतीय बाजार में तेज गिरावट नहीं देखी गई है क्योंकि मजबूत घरेलू संस्थागत निवेशक (क्प्प्) प्रवाह ने बिक्री दबाव को संतुलित किया है। इससे बाजार में महत्वपूर्ण सुधारों को रोकने में मदद मिली है। रिपोर्ट के अनुसार एक और चुनौती इक्विटी की बढ़ती आपूर्ति है। 2024 में, बाजार में शेयरों की आपूर्ति संस्थागत मांग को पार करते हुए रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है।

32वां शतक जड़ने वाले रोहित शर्मा ने इस तरह उड़ाई आलोचकों की धज्जियां

कटक, एजेंसी। वनडे में 32वां शतक लगाने वाले रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे मुकाबले के बाद आलोचकों पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा है कि जब भी वह मैदान पर उतरते हैं तो उनका ध्यान सिर्फ अच्छा प्रदर्शन करने पर रहता है। उनके लिए बस यही मायने रखता है। रोहित ने कटक में खेले गए दूसरे वनडे में इंग्लैंड के खिलाफ 90 गेंदों में 12 चौकों और सात छक्कों की मदद से 119 रन की पारी खेली। टीम इंडिया ने दूसरे वनडे में इंग्लैंड पर चार विकेट से जीत दर्ज की। साथ ही इस जीत से मेजबान टीम को तीन मैचों की सीरीज में 2–0 की अजेय बढ़त भी मिल गई। रोहित ने बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कहा, मैं इसी बारे में बात कर रहा हूं। मेरा मतलब है, देखो, जब किसी क्रिकेटर ने कई वर्षों तक क्रिकेट खेला हो और इतने वर्षों में इतने सारे रन बनाता आ रहा हो... तो इसका कुछ मतलब है उसमें कुछ है। मैंने इस खेल को काफी समय से खेला है और मैं समझता हूं कि मेरे लिए क्या जरूरी है। इसलिए मेरा काम मैदान पर जाना और अपने रोल को निभाना है।

मैं वही करना चाहता था, जो मैं करता आ रहा हूं

रोहित ने कहा, मैंने इस मैच में जो किया वह इन्हीं कामों में से एक था। मेरे दिमाग में यही बात थी कि मुझे वही करना जो मैं करता आ रहा हूं। मैं वैसी ही बल्लेबाजी करने की कोशिश कर रहा था जैसे मैं करता आ रहा हूं। मैं इस खेल में काफी समय से हूं। एक या दो पारी से मेरा मन नहीं बदलेगा या संतुष्टि नहीं मिलेगी। मेरे लिए यह ऑफिस में सिर्फ एक और दिन था।

अक्तूबर 2023 के बाद वनडे में पहला शतक

रोहित ने अक्तूबर 2023 के बाद वनडे में पहला शतक लगाया। इस बीच उन्होंने 13 वनडे खेले हैं पांच अर्धशतक लगाए हैं। मार्च 2024 के बाद तीनों प्रारूपों को मिलाकर यह उनका पहला शतक रहा। इससे पहले धर्मशाला में टेस्ट में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 104 रन बनाए थे। हालांकि, रोहित खास तौर पर अक्तूबर 2024 के बाद खराब फॉर्म से गुजरे। उन्होंने बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज को मिलाकर आठ मैचों में केवल एक बार पचास का आंकड़ा पार किया। यही वजह थी कई पूर्व दिग्गजों ने उन्हें अपने भविष्य पर विचार करने के लिए कहा था।

मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देना उनके लिए सर्वोपरि

अब शतक जड़ने के बाद रोहित ने कहा कि मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देना उनके लिए सर्वोपरि है। उन्होंने कहा, हमें बस अपना काम करते रहने की जरूरत है। हमारा काम मैदान पर जाना और अच्छा खेलना है। जब आप बिस्तर पर सोने जाते हैं और आपको लगता है कि आपने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है, यही मायने रखता है। हर बार जब मैं पिच पर जाता हूं, अच्छा खेलने के लिए जाता हूं। मैं हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करता हूं। कभी–कभी ऐसा होता है, कभी–कभी मैं इसमें सफल नहीं हो पाता। जब तक मैं स्पष्ट हूं कि मैं क्या करना चाहता हूं, बस यही मायने रखता है, और कुछ मायने नहीं रखता।

तरीके पता होने के बावजूद रन बनाना आसान नहीं

हालांकि, रोहित ने स्वीकार किया कि तरीके जानने के बावजूद रन बनाना हमेशा आसान नहीं होता है। उन्होंने कहा, जब आपने इतने सारे रन बना चुके होते हैं, तो उस खिलाड़ी ने वाकई कुछ किया है, ये तो मानते हैं न? आपको बस उस मानसिकता पर वापस आने की जरूरत है कि आप रन कैसे बनाते हैं। हालांकि, यह कहना बहुत सरल लगता है, लेकिन होता काफी कठिन है। मेरे दिमाग में, मैं सिर्फ आनंद लेना चाहता था। हम इसलिए ही खेल खेलते हैं। हम किसी भी चीज से ज्यादा खेल का आनंद लेने के लिए क्रिकेट खेलते हैं।

इंग्लैंड को बड़ा झटका, यह स्टार ऑलराउंडर चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर, IPL में RCB का है हिस्सा

कटक, एजेंसी। इंग्लैंड के ऑलराउंडर जैकब बेथेल हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। इससे 19 फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में इंग्लिश टीम की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने भारत के खिलाफ रविवार को कटक में खेले गए दूसरे वनडे में चार विकेट से हार के बाद इसकी पुष्टि की। इतना ही नहीं अब बेथेल के आईपीएल 2025 में हिस्सा लेने पर भी संशय बरकरार है। बेथेल को मेगा ऑक्शन में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु ने खरीदा था। अगर वह समय पर फिट नहीं हो पाते हैं तो आरसीबी को भी तगड़ा झटका लगेगा, क्योंकि बेथेल शानदार फॉर्म में चल रहे थे।

बटलर ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे पूरा यकीन है कि वह चौंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल पाएगा। यह उसके लिए वास्तव में निराशाजनक है क्योंकि पहले वनडे में उसने अच्छा प्रदर्शन किया था। इसलिए यह निराशाजनक है कि उसे चोट के कारण बाहर होना पड़ रहा है।'

जय शाह ने किया बड़ा ऐलान, भारत–इंग्लैंड तीसरे वनडे में लॉन्च होगी खास पहल, कई जिंदगियों पर पड़ेगा असर

इंटरनेशल क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन जय शाह ने बुधवार, 12 फरवरी को अहमदाबाद में भारत और इंग्लैंड के बीखे जाने वाले तीसरे वनडे के दौरान सोशल मीडिया पर अपनी जागरूकता पहल अंगदान करें, जीवन बचाएं की शुरुआत की घोषणा की। शाह ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर ये घोषणा की जहां उन्होंने जरुरतमंदों की मदद के लिए अंगदान को बढ़ावा दिया। उन्होंने लिखा कि, 12 फरवरी को अहमदाबाद में भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे वनडे के मौके पर हमें एक जागरुकता पहल, अंग दान करें, जीवन बचाएंश शुरु करने पर गर्व है।

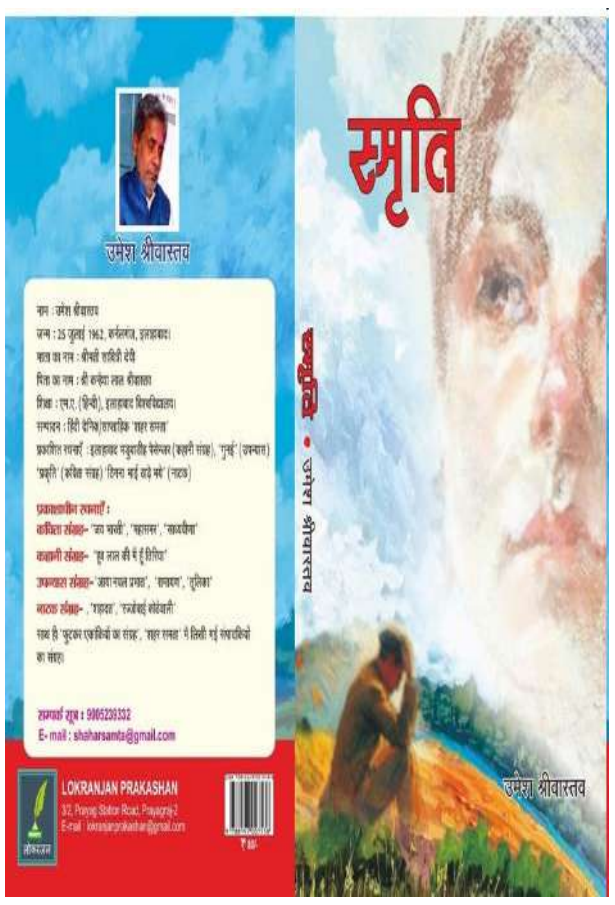

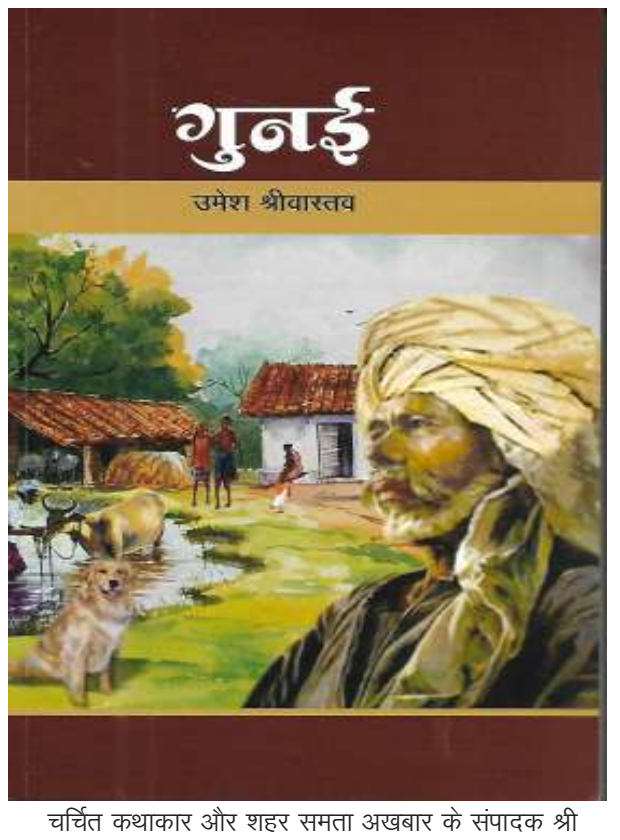

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

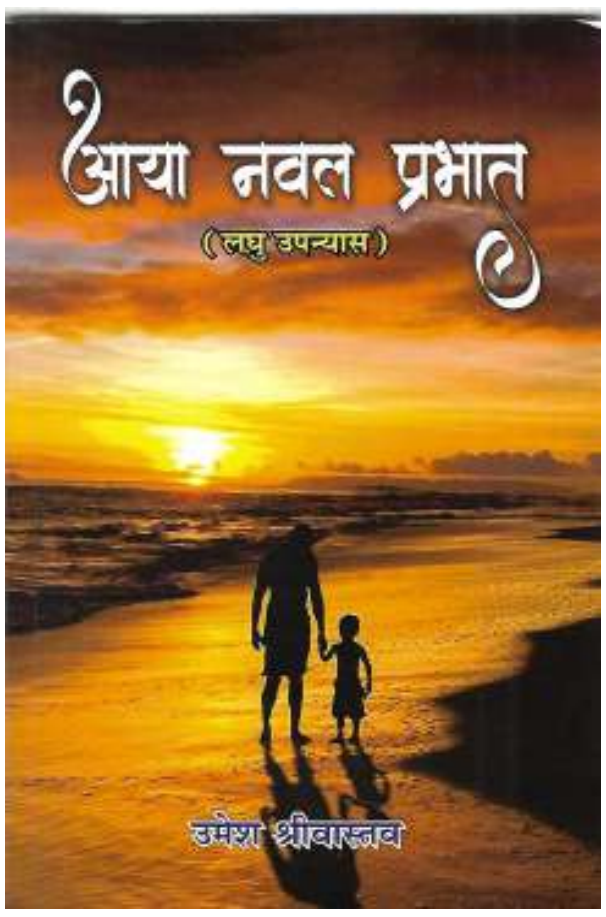

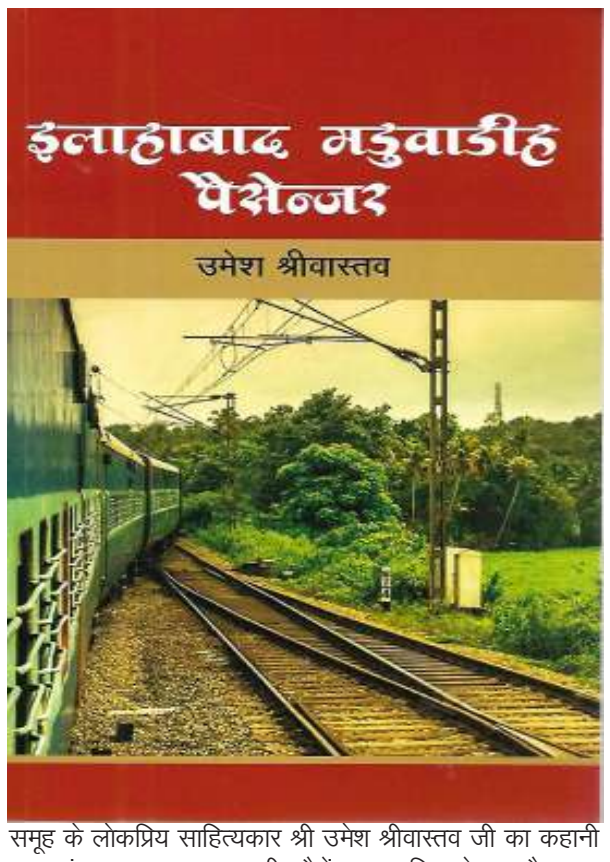

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

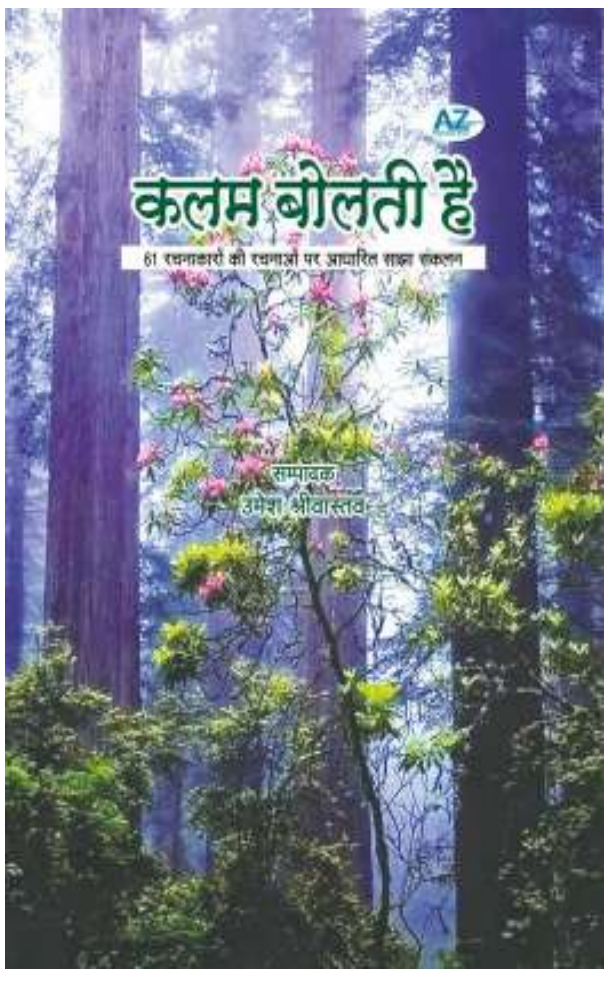

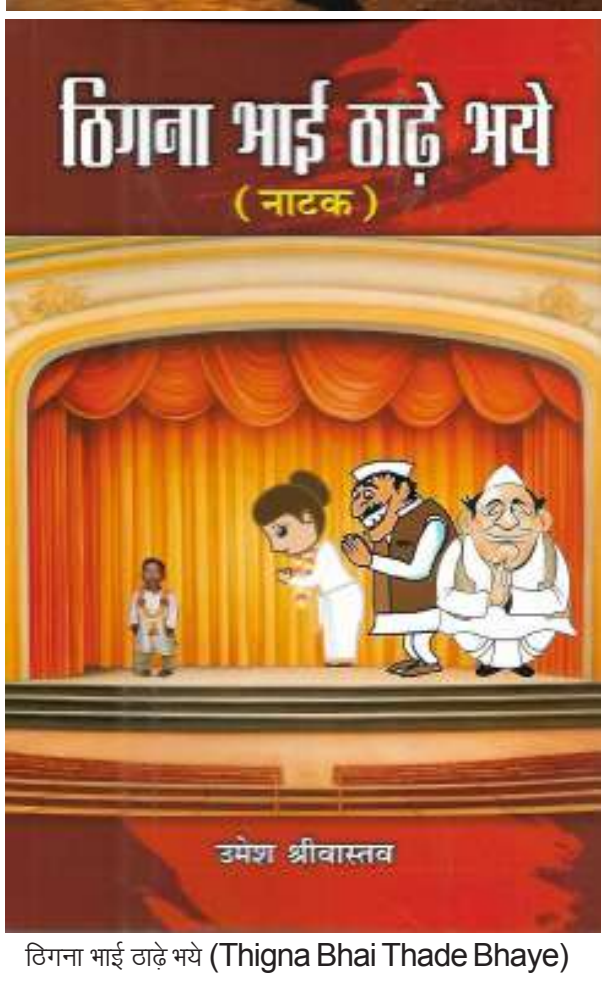

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

`मेक्सिको की खाड़ी' अब `अमेरिका की खाड़ी' के नाम से जानी जाएगी, राष्ट्रपति ट्रंप ने आदेश पर किए हस्ताक्षर

न्यूज डेस्क, अमर उजाला, वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। डोनाल्ड ट्रंप इस आदेश पर उस समय हस्ताक्षर किए, जब वे खुद अपने आधिकारिक विमान एयर फोर्स वन से अमेरिका की खाड़ी के ऊपर उड़ान भर रहे थे। ट्रंप दरअसल न्यू ऑर्लियंस में सुपर बाउल में शामिल होने जा रहे थे। डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने का एलान कर दिया था

और अब आधिकारिक तौर पर उस आदेश पर हस्ताक्षर किए।

ट्रंप ने क्यों बदला खाड़ी का नाम?

गौरतलब है कि मेक्सिको की खाड़ी को बीते 400 वर्षों से इसी नाम से जाना जाता था। हालांकि ट्रंप का कहना है कि अमेरिकी शहर न्यू मेक्सिको की वजह से इसे मेक्सिको की खाड़ी कहा जाता था। खाड़ी का नाम बदलने का एलान करते हुए ट्रंप ने कहा था कि खाड़ी का नाम अमेरिका के नाम पर होना चाहिए क्योंकि इस पर अधिकतर नियंत्रण अमेरिका का है। मेक्सिको और क्यूबा का भी इसमें हिस्सा है। अमेरिका के लिए ये खाड़ी आर्थिक गतिविधियों का केंद्र है, जिसमें मछली पालन, बिजली उत्पादन और व्यापार आदि गतिविधइयां प्रमुख हैं। ट्रंप ने कहा था कि मेक्सिको की खाड़ी को अमेरिका की खाड़ी के नाम से जाना जाना चाहिए क्योंकि ये हमारा क्षेत्र है।

मेक्सिको के खिलाफ कड़ा रुख अपनाए हुए हैं ट्रंप

ट्रंप ने भले ही मेक्सिकी की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी कर लिया हो, लेकिन दुनिया के दूसरे देश इस आदेश से नहीं बंधे हैं। ट्रंप का ये कदम मेक्सिको के खिलाफ कार्रवाई का हिस्सा माना जा रहा है। ट्रंप, मेक्सिको पर अमेरिका में ड्रग तस्करी और अवैध अप्रवासन को बढ़ावा देने का आरोप लगा चुके हैं। ट्रंप ने बीते दिनों मेक्सिको के साथ ही कनाडा पर भी टैरिफ लगाने का आदेश दिया था। हालांकि बाद में उन्होंने इस पर कुछ दिन की रोक लगा दी है।

ट्रंप के ऐलान से भड़का मिडिल ईस्ट, मिस्र में अरब देशों ने बुला ली बड़ी बैठक

इजरायल और हमास के बीच गाजा में फिलहाल युद्ध पर विराम लगा है। इजरायली बंधक और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई चल रही है। जो कि इस विराम में पहले चरण का मकसद था। इस बीच ट्रंप ने गाजा को कब्जाने का ऐलान किया है। इन तमाम राजनीतिक उठा पटक के बीच मिस्र में इमरजेंसी अरब समिट होने जा रही है। मिस्र में 27 फरवरी को इमरजेंसी अरब समिट आयोजित किया जाना है। जिसमें फिलिस्तिनियों को लेकर चल रहे अमेरिकी प्लान और बयानबाजी पर चर्चा की जाएगी। मिस्र के विदेश मंत्री ने इसका ऐलान किया है। इमरजेंसी समिट ऐसे समय में बुलाई गई है जब ट्रंप ने गाजा को कब्जाने की अपनी मंशा जाहिर की है। आपको बता दें कि मिस्त्र के विदेश मंत्रालय ने ऐलान किया कि मिस्र फिलिस्तीनी मुद्दे पर 27 फरवरी को एक इमरजेंसी

अरब समिट की मेजबानी करेगा। जिसमें फिलिस्तीन के नए और गंभीर घटनाक्रमों पर चर्चा भी की जाएगी। आपको बता दें कि फिलहाल अरब समिट का हेड बहरीन है और सभी मुल्कों ने चर्चा के बाद मिस्र में बैठक की योजना बनाई है। जिससे गाजा की सीमा भी लगती है। ट्रंप की कोशिश है कि गाजा से फिलिस्तीनियों को निकालकर दूसरे देशों में शिफ्ट किया जाए और इसे मीडिल ईस्ट का रिवेरा बनाया जाए। जहां पर बड़े डेवलपमेंट किए जाएंगे। ट्रंप की इस मंशा का दुनियाभर के देशों ने विरोध किया है। जिसमें सऊदी अरब समेत, मीडिल ईस्ट के देशों से भी कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। ट्रंप का कहना था कि गाजा अब पूरी तरह तबाह हो चुका है। मलबे का ढेर बन चुका है और हो सकता है कि मलबे के नीचे बम दबे हो। जहां ब्लास्ट नहीं हुए और इससे संभावित रूप से तबाही भी मच सकती है। ट्रंप ने कहा कि ऐसे में अमेरिका गाजा को टेकओवर करेगा और इस पूरे इलाके को समतल कर देगा और फिर यहां डेवलपमेंट का काम शुरू होगा। जिसका इस्तेमाल रोजगार और बड़े बिजनेस के लिए किए जा सकेंगे। ट्रंप ने गाजा पट्टी पर नियंत्रण करने की अपनी प्रतिज्ञा दोहराई। उन्होंने एयर फोर्स वन विमान में संवाददाताओं से कहा कि मैं गाजा को खरीदने और उस पर स्वामित्व के लिए प्रतिबद्ध हूं। जहां तक ध्वंसके फिर से निर्माण की बात है तो हम पश्चिम एशिया के अन्य देशों को इसके कुछ क्षेत्र निर्माण के लिए दे सकते हैं। अन्य लोग हमारे तत्वावधान में ऐसा कर सकते हैं, लेकिन हम इसे अपने स्वामित्व में लेने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हमास वापस न लौटे।'' ट्रंप ने कहा कि अरब देश उनसे बातचीत के बाद फलस्तीनियों को अपने यहां लेने पर सहमत हो जाएंगे और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर फलस्तीनियों के पास विकल्प होगा तो वे आसानी से गाजा छोड़ देंगे।

ताजगी, खुशी और सुरक्षा का अहसास करवाता है टेडी, अमेरिकी राष्ट्रपति के कारण मिला नाम

वैलेंटाइन वीक के अनुसार, 10 फरवरी को टेडी दिवस मनाया जाता है। इसके मौके पर लोग अपने प्रियजनों को तोहफे में टेडी बियर देते हैं। टेडी बियर एक ऐसा सॉफ्ट टॉय है, जो देखने में सुदंर और प्यारा होता है और बच्चों व आमतौर पर लड़कियो को बहुत पसंद आता है। मोहब्बत के इस सप्ताह में लड़के अपनी गर्लफ्रेंड या क्रश को इम्प्रेस करने और उनसे इजहार ए मोहब्बत

के लिए टेडी बियर तोहफे में देते हैं। टेडी बियर प्रेम करूणा, सुरक्षा के अहसास का प्रतीक है। अलग–अलग तरह के टेडी बियर अलग अहसासों की अभिव्यक्ति करते हैं। टेडी बियर का रंग और डिजाइन कई तरह के संदेश देते हैं। ये संदेश प्यार का प्रस्ताव भी हो सकता है, दोस्ती की मजबूती का प्रतीक भी।

क्या है टेडी बियर का इतिहास

अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट 14 फरवरी 1902 में मिसिसिपी के एक जंगल में शिकार के लिए गए थे। उनके साथ उनका साथी होल्ट कोलीर भी गया था। जिसने एक काले रंग के भालू को पकड़कर पेड़ से बांध दिया और उसे मारने की अनुमति राष्ट्रपति से मांगा, भालू को गाय अवस्था में देखकर राष्ट्रपति का दिल पिघल गया और उन्होंने उसे हत्या करने की अनुमति न दी। 16 नवंबर को 'द वाशिंगटन पोस्ट' अखबार में इस घटना पर आधारित एक तस्वीर छपी, जिसे कार्टूनिस्ट क्लिफोर्ड बेरीमैन ने बनाया था।

दिलचस्प है टेडी नाम की कहानी

उस घटना के बाद 'द वाशिंगटन पोस्ट' अखबार में छपी तस्वीर को देखकर व्यवसायी मॉरिस मिचटॉम ने सोचा कि बच्चों के लिए भालू के आकार का खिलौना बनाया जा सकता है। उन्होंने अपनी पत्नी के साथ मिलकर इसे डिजाइन किया और उसका नाम उन दोनों ने टेडी रखा। दरअसल, राष्ट्रपति रूजवेल्ट का निकनेम टेडी था इस वजह से व्यवसायी जोड़े ने खिलौने का नाम टेडी रख दिया। राष्ट्रपति से अनुमति लेने के बाद उन्होंने इस टेडी को मार्केट में लांच कर दिया।

आखिर वैलेंटाइन सप्ताह में टेडी डे क्यों मनाते हैं?

ऐसा माना दाता है कि टेडी बियर एक ताजगी, खुशी और सुरक्षा का अहसास करता है। टेडी सॉफ्ट और सुंदर होता है, जिसे देखकर प्यार करने की चाहत बढ़ती है। वहीं इसका आविष्कार भी दरियादिली, प्रेम और करुणा के कारण हुआ। ऐसे में वैलेंटाइन डे इस तरह भावनाओं की अभिव्यक्ति का बेहतरीन मौका देता है। अपने प्रिय को प्यार का अहसास कराने के लिए टेडी बियर भी एक खास तोहफा बन सकता है। अधिकतर लड़कियों को सॉफ्ट टॉय पसंद होते हैं। लड़के अपनी पार्टनर को टेडी बियर गिफ्ट करके इम्प्रेस करते हैं, इसलिए 10 फरवरी को वैलेंटाइन वीक में टेडी डे को भी शामिल कर लिया गया।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ दुनिया भर की सरकारों के शिखर सम्मेलन में शामिल होने यूएई जायेंगे

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ दुबई में आयोजित हो रहे दुनिया भर की सरकारों के शिखर सम्मेलन (डब्ल्यूजीएस) में शामिल होने के लिए सोमवार को दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जाएंगे। विदेश कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि उन्हें संयुक्त अरब अमीरात के उपराष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम द्वारा यात्रा के लिए आमंत्रित किया गया है। इसमें कहा गया है, ''शिखर सम्मेलन में बड़ी संख्या में राष्ट्राध्यक्ष/शासन प्रमुख, वैश्विक नीति निर्माता और निजी क्षेत्र की अग्रणी हस्तियां शासन, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के भविष्य पर चर्चा करने के लिए एकत्र होंगी।'' बयान के अनुसार प्रधानमंत्री के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी जाएगा जिसमें उपप्रधानमंत्री/विदेश मंत्री इशाक डार और मंत्रिमंडल के अन्य प्रमुख सदस्य शामिल होंगे, जो संयुक्त अरब अमीरात और अन्य वैश्विक साझेदारों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संयुक्त अरब अमीरात में पाकिस्तानी प्रवासी समुदाय, जो दुनियाभर में दूसरा सबसे बड़ा पाकिस्तानी प्रवासी समुदाय है, दोनों देशों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और साथ ही दोनों देशों के बीच एक सेतु का काम भी कर रहा है।

संक्षिप्त

इस्माइली मुसलमानों के नेता आगा खान को मिस्र में सुपुर्द-ए-खाक किया गया

शिया इस्माइली मुसलमानों के 49वें वंशानुगत इमाम आगा खान चतुर्थ को मिस्र के असवान में रविवार को एक निजी कार्यक्रम में सुपुर्द–ए–खाक किया गया। 'आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क' और इस्माइली धार्मिक समुदाय ने मंगलवार को प्रिंस करीम(88) के निधन की घोषणा की थी। उनके बेटे, 53 वर्षीय रहीम अल–हुसैनी को उनके पिता की वसीयत के अनुसार, दुनिया के लाखों इस्माइली मुसलमानों के आध्यात्मिक नेता, आगा खान पंचम के रूप में नामित किया गया है। शनिवार को लिस्बन में एक शोक सभा का आयोजन किया गया था, जिसमें

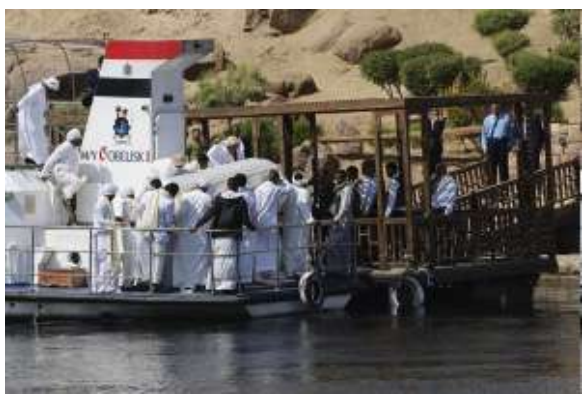

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और स्पेन के शासक जुआन कार्लोस और पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा शामिल हुए थे। आगा खान को उनके अनुयायी पैगम्बर मुहम्मद का प्रत्यक्ष वंशज मानते हैं तथा उन्हें सरकार का प्रमुख मानते हैं। असवान के गवर्नर ने शनिवार को हवाई अड्डे पर प्रिंस करीम के परिवार का स्वागत किया। मेजर जनरल इस्माइल कमाल ने कहा, ''जब उनकी (प्रिंस करीम) वसीयत खोली गई, तो पाया गया कि उन्होंने असवान में अपने दादा सुल्तान मुहम्मद शाह और अपनी दादी ओम हबीबा की कब्र के बगल में दफन करने का अनुरोध किया था।

श्रीलंकाई नौसेना ने 14 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

श्रीलंकाई अधिकारियों ने कथित तौर पर द्वीपीय राष्ट्र के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में 14 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर उनके ट्रॉलर जब्त कर लिये हैं। नौसेना ने रविवार को यह जानकारी दी। श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान में कहा कि ये गिरफ्तारियां शनिवार को मन्नार के उत्तर में समुद्री क्षेत्र में चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान हुईं। इसमें कहा गया है, "श्रीलंकाई नौसेना ने मछली पकड़ने वाली दो भारतीय नौकाओं को जब्त कर लिया और देश के जलक्षेत्र में अवैध रूप से शिकार कर रहे 14 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया।" बयान में कहा गया है कि नौसेना विदेशी मछली पकड़ने वाली नौकाओं की

अवैध मछली पकड़ने की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए श्रीलंकाई जलक्षेत्र में नियमित गश्त और अभियान चलाती रहती है, तथा स्थानीय मछुआरों की आजीविका पर इन गतिविधियों के प्रभाव को ध्यान में रखती है। नौसेना ने बताया कि गिरफ्तार मछुआरों को ईरानतिवु द्वीप लाया गया, जहां उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए किलिनोच्ची के सहायक मत्स्य निदेशालय को सौंप दिया जाएगा। पिछले सप्ताह इसी तरह की एक घटना में श्रीलंकाई अधिकारियों ने 10 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया था और एक नौका जब्त कर ली थी।

दक्षिण पश्चिम चीन में भूस्खलन में एक व्यक्ति की मौत, 28 अन्य की तलाश जारी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के दक्षिण–पश्चिमी सिचुआन प्रांत में बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक व्यक्ति की मौत होने और कई मकानों के जमींदोज हो जाने के बाद, बचावकर्मी 28 लोगों का पता लगाने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहे हैं। शनिवार को जुनलियान काउंटी के जिनपिंग गांव में भूस्खलन के बाद करीब 1,000 बचाव कर्मियों को तैनात किया गया है। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने बताया कि अधिकारी मलबे में फंसे जीवित लोगों का पता लगाने के लिए ड्रोन और रडार की मदद ले रहे हैं। सीसीटीवी ने बताया कि 10 मकानों और एक विनिर्माण इमारत के जमींदोज हो जाने के बाद, दो घायलों को बचाया गया और लगभग 360 अन्य लोगों को निकाला गया। रविवार को संवाददाता सम्मेलन में अधिकारियों ने कहा कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार यह आपदा भारी बारिश और स्थानीय भूगर्भीय परिस्थितियों के कारण आई। लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण बचाव अभियान में बाधा आई है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, चीन के उप प्रधानमंत्री लियू गुओझोंग बचाव अभियान का मार्गदर्शन करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे और प्रभावित लोगों से मिलने गए।

नेपाल : महाकुंभ जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त, 40 तीर्थयात्री घायल

पश्चिमी नेपाल से महाकुंभ के लिए प्रयागराज जा रही एक बस रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे 40 तीर्थयात्री घायल हो गए। यह दुर्घटना काठमांडू से 500 किलोमीटर पश्चिम में सुरखेत जिले के भेरीगंगा नगर पालिका के बाबई क्षेत्र में शाम साढ़े पांच बजे हुई। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना उस समय हुई जब करनाली जिले के सुरखेत से एक बस में सवार होकर 40 यात्री महाकुंभ जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि स्थानीय स्वयंसेवकों के साथ पुलिस कर्मियों ने दुर्घटना स्थल पर बचाव कार्य किया और घायलों को इलाज के लिए कोहलपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

मुजीबुर रहमान के आवास को ध्वस्त करने पर भारत की टिप्पणी 'अनुचित' : बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के आवास को ध्वस्त किए जाने को देश का आंतरिक मामला बताते हुए अंतरिम सरकार ने कहा कि इस घटना पर भारत की टिप्पणी 'अप्रत्याशित और अनुचित' थी। बांग्लादेश में बुधवार रात से हिंसा भड़की हुई है, जिसमें हजारों प्रदर्शनकारियों ने ढाका में शेख मुजीबुर रहमान के 32 धानमंडी स्थित आवास में आग लगा दी। रहमान ने इस आवास से ही देश के मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया था, जिसे बाद में एक स्मारक के रूप में बदल दिया गया

था। इसी ऐतिहासिक आवास से रहमान ने 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की थी। भारत ने ऐतिहासिक आवास को ध्वस्त किये जाने पर बृहस्पतिवार को दुख व्यक्त किया और कहा कि 'बर्बरता की इस घटना' की कड़ी निंदा की जानी चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, ''यह खेदजनक है कि शेख मुजीबुर रहमान का ऐतिहासिक आवास पांच फरवरी को नष्ट कर दिया गया। यह आवास कब्जे और उत्पीड़न की ताकतों के खिलाफ बांग्लादेश के लोगों के वीर प्रतिरोध का प्रतीक था। जो लोग बांग्ला पहचान और गौरव को संबल प्रदान करने वाले स्वतंत्रता संग्राम को महत्व देते हैं, वे सभी बांग्लादेश की राष्ट्रीय चेतना के लिए इस निवास के महत्व से परिचित हैं।'' सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार, भारत की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि धानमंडी 32 की घटना देश के आंतरिक मामलों से संबंधित है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद रफीकुल आलम ने कहा, ''इस मामले पर छह फरवरी 2025 को जारी भारत के विदेश मंत्रालय का बयान अंतरिम सरकार के ध्यान में आया है। बांग्लादेश के आंतरिक मामलों पर भारत के विदेश मंत्रालय की ऐसी टिप्पणी अनुचित है।'' उन्होंने कहा, ''बांग्लादेश किसी भी राज्य के आंतरिक मामलों पर आधिकारिक रूप से टिप्पणी नहीं करता है और वह अन्य देशों से भी इसी तरह के आचरण की अपेक्षा करता है।

ट्रंप की योजना पर अमेरिकी कोर्ट ने फेरा पानी

अल्बुकर्क। अमेरिकी संघीय अदालत ने रविवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की तरफ से तीन वेनेजुएला के प्रवासियों को क्यूबा के ग्वांतानामो बे नौसैनिक अड्डे पर भेजने की योजना पर रोक लगा दी है। जानकारी के मुताबिक, ये तीनों प्रवासी न्यू मैक्सिको में अमेरिकी हिरासत में थे। अमेरिकी संघीय अदालत का यह फैसला तब आया जब इन प्रवासियों के वकीलों ने अदालत में याचिका दायर कर कहा कि सरकार बिना किसी ठोस आधार के इन्हें ग्वांतानामो भेजना चाहती है। अमेरिकी सरकार ने तीनों पर वेनेजुएला के कुख्यात श्ट्रेन दे अरागुआश गैंग से जुड़े होने का आरोप लगाया था। इस मामले में न्यायाधीश केनेथ जे. गोंजालेज ने सरकार के विरोध के बावजूद प्रवासियों की याचिका को स्वीकार किया और उनके ग्वांतानामो स्थानांतरण पर अस्थायी रोक लगा दी। मामले में प्रवासियों के वकील जेसिका वॉसबर्ग ने बताया कि यह एक अस्थायी फैसला है और आने वाले हफ्तों में इस पर फिर से सुनवाई होगी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।